संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 233
पृष्ठ 8
बुधवार
13 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- परिवार के साथ हर सफर हो...

विचार- जनता की जान की कीमत पर...

खेल- भारतीय खिलाड़ियों की कमी जरूर...

बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू होने पर प्रधानमंत्री ने जताई खुशी, कहा-

हर घर तक पहुंचेगी केंद्र की योजना

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दो इंजन वाली सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का सुचारू रूप से कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य केंद्र की प्रमुख योजना को लागू करेगा, जिसके तहत प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा पश्चिम बंगाल के मेरे भाई–बहनों का कल्याण सर्वोपरि है। मुझे बहुत खुशी है कि राज्य के लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा,

जो विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। इससे उच्च गुणवत्ता वाली एवं किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करती है। आगे कहा कि डबल इंजन वाली सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का निर्बाध कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी। केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत साल 2018 में की थी। इस योजना का नाम अब बदलकर प्रधानमंत्री जन– आरोग्य योजना कर दिया गया है। इस योजना के तहत सरकार पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देती है। योजना के पात्र परिवारों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड दिया जाता है। इस कार्ड को दिखाकर पात्र व्यक्ति सूचीबद्ध अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज करा सकता है। अपनी पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद अधिकारी ने कहा कि नई भाजपा सरकार ने पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने सहित छह ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका उद्देश्य राज्य में असल परिवर्तन लाना है। तृणमूल कांग्रेस को करारी हार देने के बाद भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पहली बार सत्ता संभाली। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें हासिल कीं, जिससे टीएमसी को 80 सीटों तक सीमित कर दिया गया।

हिमंत बिस्व सरमा दूसरी बार बने मुख्यमंत्री, चार विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी,एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सीएम सरमा के शपथ लेने के साथ ही असम में छव 3.0 का आगाज हो गया है। गुवाहाटी के खानापारा में आयोजित इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। इनके साथ ही भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस पल के गवाह बने। असम में यह एनडीए की लगातार तीसरी सरकार है। मुख्यमंत्री सरमा के साथ चार मंत्रियों ने भी पद की शपथ ली। इनमें भाजपा से रामेश्वर तेली और अजंता नियोग शामिल हैं। सहयोगी दल असम गण परिष से अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से चरण बोरो को कैबिनेट में जगह मिली है। वहीं, वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार दास विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार होंगे। इस चुनाव में एनडीए ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। गठबंधन ने 126 में से 101 सीटों पर कब्जा कर तीन–चौथाई बहुमत हासिल किया। इसमें भाजपा गठबंधन को 81 सीटें मिलीं, जबकि AGP और BPF ने 10–10 सीटें जीतीं। खुद हिमंता बिस्वा सरमा ने 80,000 से अधिक वोटों के बड़े अंतर से अपनी सीट जीती। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग और डबल इंजन विकास मॉडल को दिया। मुख्यमंत्री सरमा के साथ उनके मंत्रिमंडल के चार मंत्रियों ने भी शपथ ली।

रामेश्वर तेली– रामेश्वर तेली असम के एक प्रमुख जनजाति नेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार में खाद्य प्रसंस्करण और पेट्रोलियम मंत्रालय के राज्य मंत्री के रूप में काम किया है।

स्वदेशी जागरण मंच ने पीएम के आग्रह का किया समर्थन, कहा पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने से देश को लाभ

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध स्वदेशी जागरण मंच ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बचत अभियान भारत की विदेशी राष्ट्रों पर निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद करेगा। मंच की यह

टिप्पणी प्रधानमंत्री द्वारा अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई उपायों का आह्वान करने के बाद आई है। इन उपायों में ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करना शामिल है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव से लोगों को बचाने का प्रयास कर रहा है। एक बयान में, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संयोजक अश्विनी महाजन ने कहा कि ये सभी उपाय आयात पर निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने के उद्देश्य से हैं। उन्होंने कहा, कि पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने से देश को दोहरा लाभ मिलेगा। इससे न केवल बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचेगी, बल्कि आपूर्ति में व्यवधान से होने वाली कमी से प्रभावी ढंग से निपटने में भी मदद मिलेगी। पश्चिम एशिया संघर्ष के संदर्भ में, महाजन ने बताया कि उनका संगठन लंबे समय से लोगों से आयातित तेल और गैस पर निर्भरता कम करने का आग्रह कर रहा है। इसका उद्देश्य आपूर्ति में व्यवधान और बढ़ती कीमतों के प्रभाव को न्यूनतम करना है। प्रधानमंत्री के आह्वान से इस दिशा में और गति मिलेगी। महाजन ने भारत के लिए दीर्घकालिक समाधान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा, विशेष रूप से नवीकरणीय और हरित ऊर्जा के स्रोतों में। इसके लिए स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना आवश्यक है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहन, उनके मोटर और बैटरी जैसे घटक शामिल हैं। सौर ऊर्जा उपकरण, जिसमें सौर सेल भी शामिल हैं, और पवन ऊर्जा उपकरण भी महत्वपूर्ण हैं। हरित हाइड्रोजन और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी।

अदालतों के आधुनिकीकरण के लिए सीजेआई ने बनाई विशेष समिति, जस्टिस अरविंद कुमार होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने देश की न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक न्यायिक बुनियादी ढांचा सलाहकार समिति का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अरविंद कुमार इस समिति के अध्यक्ष होंगे। इस पैनल में कलकत्ता, पंजाब और हरियाणा तथा बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीशों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। सीपीडब्ल्यूडी के महानिदेशक और सुप्रीम कोर्ट के महासचिव भी इस समिति का हिस्सा होंगे। समिति का मुख्य काम देश भर की अदालतों में इमारतों और अन्य सुविधाओं की कमी का आकलन करना है। यह पैनल न्यायिक क्षेत्र के सुधार के लिए सरकार से 40,000 से 50,000 करोड़ रुपये के बजट की मांग कर सकता है। समिति को 31 अगस्त तक अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश मिला है। यह समिति जजों, वकीलों और आम जनता के लिए जरूरी सुविधाओं पर सुझाव देगी। इसका खास ध्यान अदालतों के कंप्यूटरीकरण, वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग और एआई (AI) जैसी आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर रहेगा। यह कदम इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल ही में एक संसदीय समिति ने राज्यों में फंड के सही इस्तेमाल न होने और बुनियादी ढांचे की धीमी गति पर चिंता जताई थी। बता दें कि, केंद्र सरकार पहले ही ई–कोर्ट परियोजना के लिए 7,210 करोड़ रुपये आवंटित कर चुकी है, ताकि अदालतों को पूरी तरह डिजिटल बनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में लंबित जमानत याचिकाओं की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता जताई। साथ ही, यह अंबार जल्द खत्म करने के लिए स्वतरू सुनवाई व्यवस्था विकसित करने और याचिकाओं के निपटारे की समयसीमा निर्धारित करने जैसे सुझाव भी दिए। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि जमानत मामलों की सुनवाई में देरी न्याय व्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है और इससे आरोपियों के मौलिक अधिकार भी प्रभावित हो रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि उसे पूरा भरोसा है कि हाईकोर्ट, राज्य सरकारें और जांच एजेंसियां जमानत याचिकाओं के समय पर निपटारे की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाएंगी। साथ ही, पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित करेंगी। पीठ ने स्पष्ट किया कि उसके आदेश को हाईकोर्ट के कामकाज में दखल के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। ये सुझाव व्यवस्था की दक्षता को मजबूत करने के मकसद से दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ सनी चौहान बनाम पंजाब राज्य मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने इस मामले में विभिन्न हाईकोर्ट से लंबित जमानत मामलों का ब्योरा मांगा था। अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से ऐसा तंत्र विकसित करने को कहा है जिससे हर जमानत याचिका को निश्चित सुनवाई तिथि मिल सके। अदालत ने सरकारी वकीलों द्वारा अनावश्यक स्थगन मांगने की प्रवृत्ति पर भी नाराजगी जताई। पीठ ने कहा, हम इस रिट याचिका का निपटारा करते हुए प्रतिवादी–1 (केंद्र सरकार) को निर्देश देते हैं कि वह याचिकाकर्ता के दिनांक 4 फरवरी, 2026 के अभ्यावेदन पर विचार करे और उचित निर्णय ले। सरकार जो भी फैसला लेती है उससे याचिकाकर्ता को अवगत कराया जाए।

दो साल की मेहनत बर्बाद! नीट परीक्षा रद्द होते ही फूटा छात्रों का गुस्सा, बोले- अब किस पर करें भरोसा?

जयपुर,एजेंसी। नीट यूजी परीक्षा 2026 रद्द होने के बाद अमर उजाला की टीम ने राजस्थान में रहकर नीट की तैयारी करने वाले छात्र–छात्राओं से मुलाकात की और यह जानने की कोशिश की कि सरकार के इस फैसले पर उनका क्या कहना है और वे अब आगे क्या करेंगे। परीक्षा रद्द होने के बाद छात्रों में निराशा, गुस्सा और भविष्य को लेकर चिंता साफ दिखाई दी। कई छात्रों ने कहा कि लगातार पेपर लीक की घटनाओं ने उनकी मेहनत और भरोसे को तोड़ दिया है। जयपुर में रहकर नीट की तैयारी करने वाले छात्र अमित मीणा ने बताया कि इस साल उन्होंने नीट की परीक्षा दी थी। वह एसटी कैटेगरी से आते हैं और उन्हें उम्मीद थी कि इस बार उनके 500 से ज्यादा नंबर आ सकते थे और उनका चयन हो जाता। अमित ने आगे कहा कि वह पिछले

दो साल से तैयारी कर रहे हैं। उनके पिता किसान हैं और खेती करके ही उन्होंने उनकी पढ़ाई का खर्च उठाया है। परीक्षा रद्द होने से उन्हें बड़ा झटका लगा है। जयपुर में रहने वाली एक छात्रा ने कहा कि पेपर लीक होने की वजह से मेहनती छात्रों का चयन प्रभावित हो रहा है। उसने बताया कि 2024 में पेपर लीक हुआ, 2025 में पेपर बहुत कठिन था और इस बार फिर से पेपर लीक का मामला सामने आ गया। छात्रा ने कहा कि उसके माता–पिता बहुत मेहनत करके पैसे जुटाते हैं और एक फैसले से पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। अलवर की रहने वाली छात्रा साक्षी ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि वह जयपुर में किराए के कमरे में रहकर तैयारी करती है और पिछले एक साल से पढ़ाई कर रही थी। उसने पहली बार नीट की परीक्षा दी थी, लेकिन सरकार की लापरवाही की वजह से परीक्षा रद्द हो गई। साक्षी ने कहा कि अब पढ़ाई से मन हटने लगा है। बातचीत के दौरान वह सरकार के प्रति काफी नाराज नजर आई। धौलपुर की रहने वाली छात्रा सुनैना तोमर ने बताया कि नीट की तैयारी में हर महीने 10 हजार रुपये से ज्यादा खर्च होता है। इस बार उन्होंने परीक्षा दी थी और उम्मीद थी कि उनका चयन हो जाएगा, लेकिन परीक्षा रद्द होने से उनकी सारी उम्मीदें टूट गईं।

राहुल गांधी बोले-

जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम बंगाल में नई नियुक्ति पर

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार की ओर से राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव नियुक्त किए जाने के बाद सियासी विवाद तेज हो गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस नियुक्ति को लेकर चुनाव आयोग और भाजपा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप दोहराया। उन्होंने लिखा, भाजपा–ईसी के चोर बाजार में जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए

विधानसभा चुनावों को लेकर विपक्ष पहले से ही चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है। दरअसल, सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया।

अधिसूचना में कहा गया कि राज्यपाल ने मनोज कुमार अग्रवाल, जो 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी व गृह एवं पर्वतीय मामलों (निर्वाचन) विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे, को अगले आदेश तक राज्य का मुख्य सचिव नियुक्त करने की मंजूरी दी है।

उपद्रवी कार्यकर्ताओं पर टीवीके सख्त

चेन्नई,एजेंसी। सत्तारूढ़ टीवीके ने मंगलवार को सार्वजनिक स्थानों पर पार्टी के बैनर और पोस्टर लगाने पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगा दिया, जिससे लोगों को असुविधा हो या यातायात बाधित हो। इसने अपने कार्यकर्ताओं को सख्त निर्देश जारी करते हुए चेतावनी दी है कि सार्वजनिक उपद्रव करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश पार्टी के सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता देने के घोषित लक्ष्य को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाए गए कदमों का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव और मंत्री एन आनंद द्वारा जारी एक बयान में कहा है कि टीवीके नेतृत्व ने इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी सदस्य के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

संजय सिंह बोले-

भाजपा राज में नौजवानों का भविष्य सुरक्षित नहीं, माफिया का गठजोड़ देश को बर्बाद कर रहा

लखनऊ,संवाददाता। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी शिक्षा माफिया के साथ मिलकर देश के नौजवानों का भविष्य बर्बाद करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर पहली बार लीक नहीं हुआ है, इससे पहले वर्ष 2024 में भी पेपर लीक हुआ था और अब 3 मई को हुई परीक्षा में 180 में से 135 सवाल लीक होने का मामला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से

जुड़े लोग शिक्षा माफिया के पूरे गिरोह को संरक्षण दे रहे हैं, जिसकी वजह से बार–बार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं और लाखों छात्र–छात्राओं तथा उनके परिवारों का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि देश के लाखों नौजवान दिन–रात मेहनत करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार और उसके संरक्षण में पल रहे शिक्षा माफिया उनके सपनों को कुचलने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आखिर यह पता लगाया जाना चाहिए कि पेपर लीक कराने वाले लोग कौन हैं, किसके संरक्षण में यह पूरा खेल चल रहा है और किन भाजपा समर्थित लोगों के जरिए शिक्षा के नाम पर यह संगठित कारोबार चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी निष्पक्ष जांच होगी तो यह साफ हो जाएगा कि इस पूरे नेटवर्क के तार कहीं न कहीं भाजपा से जुड़े लोगों तक पहुंचते हैं और यही कारण है कि दोषियों को बार–बार बचाया जाता है।

संजय सिंह ने कहा कि इस बार नीट परीक्षा में करीब 22 लाख छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया था। अगर उनके परिवारों को भी जोड़ लिया जाए तो करोड़ों लोग इस पेपर लीक कांड से प्रभावित हुए हैं।

46 साल पुराने हत्या मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा दोषी करार, एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

प्रयागराज। विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए कोर्ट के जज योगेश कुमार तृतीय ने 1980 के एक हत्या मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत चार लोगों को दोषी ठहराया है। विशेष

न्यायाधीश एमपी/एमएलए कोर्ट के जज योगेश कुमार तृतीय ने 1980 के एक हत्या मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत चार लोगों को दोषी ठहराया है। विजय मिश्रा भदोही जिले के विधायक थे और वर्तमान में जेल में बंद हैं। यह हत्याकांड साल 1980 का है, जब प्रयागराज कचहरी परिसर के भीतर ही दिनदहाड़े हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस मामले में विजय मिश्रा को मुख्य आरोपियों बनाया गया था। विजय मिश्रा तीन बार सपा और एक बार निषाद पार्टी से विधायक रह चुके। कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद अब सभी की निगाहें सजा के एलान पर टिकी हैं। विशेष अदालत जल्द ही विजय मिश्रा समेत अन्य तीन दोषियों की सजा पर फैसला सुनाएगी। कानूनी जानकारों के अनुसार, हत्या जैसे संगीन मामले में दोष सिद्ध होने पर विजय मिश्रा को उम्रकैद या इससे भी कठोर सजा मिल सकती है। फैसले के बाद कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है।

बिजली कटौती और फॉल्ट से शहर बेहाल, पानी का संकट भी गहराया

प्रयागराज। शहर के विभिन्न इलाकों में रविवार को लगातार बिजली कटौती और तकनीकी फॉल्ट के कारण लोग दिनभर परेशान रहे। ओल्ड पॉवर हाउस से जुड़े एमजी मार्ग समेत कई क्षेत्रों में सुबह 11 बजे से हर आधे घंटे और एक घंटे पर बिजली आती-जाती रही। जंपर खराब होने और केबल लटकने की समस्या के चलते दो से तीन ट्रांसफॉर्मर बंद रहे, जिससे आपूर्ति प्रभावित हुई।

अल्लापुर के कई इलाकों में भी सुबह से रात तक लगातार बिजली कटौती होती रही। इससे क्षेत्र में रहने वाले प्रतियोगी छात्रों को पढ़ाई में काफी दिक्कत हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की ओर से पहले से कोई सूचना नहीं दी जाती, जिससे अचानक बिजली जाने पर रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो जाते हैं और पानी का संकट भी गहरा जाता है।

उधर, झलवा के कई इलाकों में रविवार देर रात बिजली आपूर्ति बाधित रही। घुंघरू चौराहे के पास स्थित मार्केट में शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण रविवार रात करीब 11 बजे आपूर्ति बाधित हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, जिसके बाद देर रात करीब एक बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। गर्मी के बीच रातभर बिजली कटौती से लोगों की नींद में खलल पड़ा।

राजरूपपुर, अटाला और कसारी-मसारी क्षेत्रों में भी दिनभर बिजली की आंख-मिचौली जारी रही। प्रीतम नगर क्षेत्र में कबीर मंदिर से जुड़े इलाकों में सुबह 11 बजे बिजली चली गई, जो करीब 12 बजे बहाल हुई। मनोहरपुर फीडर भी कुछ समय तक बंद रहा, जिससे आसपास के इलाकों के लोगों को परेशानी हुई।

केबल लगाने के लिए कई इलाकों में लिया जाएगा शटडाउन

प्रयागराज। न्यू बेली पावर हाउस के अंतर्गत मम्फोर्डगंज और राजापुर एसटीपी के अधूरे कार्य पूरे करने के लिए 11 हजार वोल्ट के केबल लगाने का कार्य किया जाएगा। इसके चलते सोमवार को विभिन्न फीडरों की बिजली आपूर्ति निर्धारित समय तक बाधित रहेगी। सुबह दस से दोपहर 12 बजे तक जगराम फीडर, बेली रोड और जगराम चौराहा क्षेत्र में शटडाउन लिया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे से शाम तीन बजे तक एचआईजी फीडर की आपूर्ति बंद रहेगी, जिससे एचआईजी कॉलोनी और लाला लाजपत राय रोड क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

राजकीय विद्यालयों में टीजीटी भर्ती का विज्ञापन संशोधित, कक्षा 9-10 के लिए होगा चयन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए जारी विज्ञापन में संशोधन किया गया है। यह संशोधन उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में किया गया है। लोक सेवा आयोग ने 28 जुलाई 2025 को सभी विषयों के अधियाचनों के सापेक्ष भर्ती विज्ञापन जारी किया था। इसके खिलाफ दाखिल रिट याचिका अखिलेश व तीन अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य 2025 और जयहिंद यादव व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में उच्च न्यायालय ने दो अप्रैल 2026 को निर्णय पारित किया था।

परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पांडेय ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में परीक्षा-2025 के सभी विषयों के अधियाचनों के सापेक्ष चयनित शिक्षकों की नियुक्ति कक्षा 9 और 10 के अध्यापन कार्य के लिए की जाएगी। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल 2026 के आदेश के क्रम में 28 जुलाई 2025 को जारी विज्ञापन को उक्त सीमा तक संशोधित माना जाए।

जनगणना ड्यूटी से राहत की मांग पर जल्द निर्णय लेने के निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनगणना-2027 की ड्यूटी से छूट की मांग करने वाले शिक्षक की याचिका का निस्तारण करते हुए संबंधित प्राधिकारी को प्रत्यावेदन पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने दिया है। बांदा निवासी याची नफीस अहमद अंसारी ने याचिका दाखिल कर 12 अप्रैल 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत उन्हें जनगणना-2027 के प्रशिक्षण और ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। याची की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि चुनाव ड्यूटी का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्होंने अपनी पत्नी की देखभाल और व्यक्तिगत कठिनाइयों का हवाला देते हुए छूट के लिए प्रत्यावेदन दिया था, लेकिन उस पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया। निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत शिक्षकों को गैर-शैक्षिक कार्यों में नहीं लगाया जा सकता। वहीं, शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि यह मामला नीतिगत निर्णय से जुड़ा है। भारत निर्वाचन आयोग ने पांच जून 2025 को जारी संशोधित दिशा-निर्देशों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की नियुक्ति संबंधी नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों की तैनाती नीति के अनुरूप की जा रही है। कोर्ट ने कहा कि मामले में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है, लेकिन यदि याची संबंधित प्राधिकारी के समक्ष नया प्रत्यावेदन प्रस्तुत करते हैं तो उस पर संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार यथाशीघ्र निर्णय लिया जाए।

बायोप्सी की जरूरत नहीं, अल्ट्रासाउंड से होगी ट्यूमर की सटीक जांच; दुनिया में इस तरह की पहली तकनीक का दावा

प्रयागराज। अब कैंसर की जांच के लिए बायोप्सी की जरूरत नहीं है। अल्ट्रासाउंड से ट्यूमर की सटीक जांच होगी। सब हार्मोनिक नैनो फ्लुइड से वैज्ञानिकों ने सेंसर आधारित अल्ट्रासांउड तकनीक विकसित की है। कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा।

कैंसर की जांच के लिए अब बायोप्सी कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वैज्ञानिकों ने सब हार्मोनिक बहु धात्विक नैनो फ्लुइड से सेंसर आधारित अल्ट्रासाउंड तकनीक विकसित की है। यह कुछ ही मिनटों में शरीर के किसी भी हिस्से में बने ट्यूमर की सटीक जांच कर बता देगा कि वह कैंसरकारी है या नहीं।

इस तकनीक से जांच का कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा जबकि सुई (सीरिंज) आधारित जांच के कई साइड इफेक्ट होते हैं। इससे कैंसर भी तेजी से बढ़ने लगता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि दुनिया में यह पहली तकनीक है जो बिना बायोप्सी के ट्यूमर की सटीक जांच करेगी।

साथ ही अल्ट्रासाउंड इमेज का रिजोल्यूशन बढ़ाने से कैंसरकारी ट्यूटर को नष्ट किया जा सकता है। जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए के वैज्ञानिक प्रो. नीको एफ. डेक्लरिक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. पीएस यादव, प्रो. राजाराम, दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. टीपी यादव और जॉर्जिया टेक यूरोप, फ्रांस के वैज्ञानिक अजीत मद्धेशिया के इस संयुक्त शोध को अमेरिका के प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स के आठ मई 2026 के अंक में प्रकाशित किया गया है।

ऐसे तैयार हुआ नैनो फ्लुइड

नैनो फ्लुइड ऐसे तरल पदार्थ

होते हैं जिनमें बेहद सूक्ष्म धात्विक कण मिलाए जाते हैं। ये कण सामान्यतरू 10 से 20 नैनो मीटर आकार के होते हैं, यानी मानव बाल की मोटाई से हजारों गुना पतले। वैज्ञानिकों ने इस शोध में तीन प्रकार के नैनो फ्लुइड तैयार किए जिसमें केवल सोने वाला नैनो फ्लुइड, सोना-प्लैटिनम मिश्रित नैनोफ्लुइड और सोना-प्लैटिनम-पैलेडियम त्रिधात्विक नैनोफ्लुइड शामिल हैं। इन नैनो कणों को माइक्रोवेव सहायता प्राप्त रासायनिक प्रक्रिया से तैयार किया गया जिससे अत्यंत स्थिर और नियंत्रित संरचना वाले कण प्राप्त हुए। नैनो फ्लुइड अल्ट्रासाउंड तरंगों के व्यवहार को अत्यधिक प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित कर सकता है।

अल्ट्रासाउंड में क्या हुआ खास

जब इन नैनो फ्लुइड पर एक से तीन मेगा हर्ट्ज की उच्च आवृत्ति वाली अल्ट्रासोनिक तरंगें डाली गईं तब वैज्ञानिकों ने पाया कि ये तरल सब हार्मोनिक ध्वनि तरंगें उत्पन्न करते हैं। सब हार्मोनिक तरंगें सामान्य ध्वनि तरंगों की तुलना में अलग आवृत्ति पर उत्पन्न होती हैं और मेडिकल इमेजिंग में अधिक संवेदनशीलता प्रदान करती हैं। विशेष रूप से सोना-प्लैटिनम-पैलेडियम नैनो फ्लुइड ने सबसे अधिक मजबूत गैर-रेखीय ध्वनिक प्रतिक्रिया दिखाई। वैज्ञानिकों ने देखा कि इस त्रिधात्विक द्रव में ध्वनि ऊर्जा का पुनर्वितरण अधिक प्रभावी तरीके से हुआ जिससे सब हार्मोनिक संकेत कम ऊर्जा पर ही उत्पन्न होने लगे।

क्यों महत्वपूर्ण है यह खोज

वर्तमान में चिकित्सा क्षेत्र में अल्ट्रासाउंड इमेजिंग का उपयोग गर्भावस्था जांच, कैंसर पहचान, हृदय रोग और रक्त वाहिकाओं की जांच में व्यापक रूप से होता है, लेकिन मौजूदा अल्ट्रासाउंड कॉन्ट्रास्ट एजेंट, जो माइक्रोबबल्स पर आधारित होते हैं, लंबे समय तक स्थिर नहीं रहते। अधिक दबाव में टूट जाते हैं। नए नैनो फ्लुइड इस समस्या का समाधान बन सकते हैं क्योंकि ये अधिक स्थिर हैं। लंबे समय तक कार्य कर सकते हैं। ध्वनि तरंगों को अधिक संवेदनशीलता से नियंत्रित करते हैं और बेहतर इमेज गुणवत्ता प्रदान कर सकते हैं।

ऐसे हुआ प्रयोग

वैज्ञानिकों ने विशेष ध्वनिक कक्ष तैयार किया जिसमें नैनो फ्लुइड भरा गया। इसके बाद अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर के माध्यम से ध्वनि तरंगें भेजी गईं। साथ ही लेजर प्रकाश का उपयोग करके ध्वनि तरंगों से बनने वाले विवर्तन पैटर्न को रिकॉर्ड किया गया। जैसे-जैसे धातुओं की जटिलता बढ़ती गई वैसे-वैसे ध्वनिक प्रतिक्रिया भी अधिक मजबूत होती गई।

स्कूलों में बजी घंटी... सड़कों पर इंतजामों की छुट्टी

प्रयागराज। स्कूलों में सोमवार दोपहर छुट्टी की घंटी क्या बजी, मानो सड़कों पर इंतजामों की छुट्टी हो गई। बच्चों के बाहर निकलते ही वाहनों की रफ्तार थम गई। मेयोहाल, हिंदू हॉस्टल, सिविल लाइंस, कटरा, मेडिकल चौराहा समेत कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जगह-जगह वाहन रेंगने लगे। इसका असर गलियों तक में देखने को मिला। जल्दी निकलने के चक्कर में वाहन सवार जहां-तहां फंसे रहे।

सोमवार सुबह 11रू30 बजते ही सिविल लाइंस पीवी टंडन मार्ग, दयानंद मार्ग, एमजी मार्ग, लाउदर मार्ग, कमला नेहरू मार्ग पर स्कूलों के बाहर बच्चों को लेने पहुंचे अभिभावकों ने सड़क किनारे वाहन खड़े कर दिए। स्कूली बसें, वैन, ऑटो और ई-रिक्शा की अव्यवस्थित आवाजाही से हालात और बिगड़ गए। स्कूलों के बाहर न तो उनके गार्ड दिखे और न ही इंतजाम करवाने के लिए ट्रैफिक पुलिस नजर आई। कई जगहों पर बाइक सवारों तक को निकलने के लिए जगह नहीं मिली। अव्यवस्थित पार्किंग की अनदेखी के कारण ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कुछेक जगह पर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद जाम से राहत नहीं मिली।

कागजों पर सिमटी योजना

शहर में स्कूलों की छुट्टी के समय लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए कई बार ट्रैफिक सुधार की योजनाएं बनाई गईं, लेकिन कागजों तक ही सीमित रह गईं। स्कूलों के बाहर नो-पार्किंग जोन, वैकल्पिक रूट और अतिरिक्त पुलिस तैनाती जैसे प्रस्ताव तैयार किए गए, मगर असर दिखाई नहीं दिया।

पार्किंग नहीं होने खड़े हो रहे वाहन

कई नामी स्कूलों में पार्किंग की व्यवस्था है, बावजूद इसके स्कूलों के बाहर ही अभिभावकों के वाहन सड़क पर खड़े हो रहे हैं। सबसे खराब स्थिति मेयोहाल, हिंदू हॉस्टल और सिविल लाइंस इलाके की है। सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहन न सिर्फ ट्रैफिक व्यवस्था बिगाड़ते हैं, बल्कि राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए भी परेशानी का सबब बनते हैं।

कई बार स्कूल प्रबंधन से संपर्क करके पार्किंग व्यवस्था को ठीक करने के लिए कहा गया है, लेकिन अव्यवस्था अभी बनी हुई है। शहर की सड़कों पर जाम न लगे इस पर प्लान तैयार किया जा रहा है। -नीरज पांडेय, डीसीपी, यातायात

स्कूल की छुट्टी के समय रोज यही हाल रहता है। पांच मिनट का रास्ता पार करने में आधा घंटा लग जाता है।-वरुण जायसवाल, सिविल लाइंस

सड़क पर दोनों तरफ गाड़ियां खड़ी हो जाती हैं। बच्चों और बुजुर्गों के साथ निकलना मुश्किल हो जाता है। - मनोहर लाल, करबला

ट्रैफिक पुलिस कई जगह दिखाई नहीं देती, लोग विपरीत दिशा से वाहन निकालते हैं, जिससे जाम लगता है।-निजामुद्दीन, चकिया

पानी की टंकी चौराहे के पास भी लगा जाम

हाईकोर्ट पानी की टंकी के सामने स्थित पुराने रेलवे ओवर ब्रिज की जगह नया ब्रिज बनाया जाएगा। इस वजह से रूट को वन-वे किया गया है। हाईकोर्ट पानी टंकी के पास सोमवार सुबह से वाहनों का दबाव बढ़ गया। दिनभर गाड़ियां रेंगती रहीं। सुलेमसराय निवासी बाइक चालक नीतेश कुमार ने बताया कि पुल निर्माण के बाद ट्रैफिक का दबाव बढ़ा है, लेकिन उसके अनुरूप वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। आए दिन जाम लग रहा है।

नालों की नहीं हुई सफाई, मकान छोड़कर जाने लगे किरायेदार

प्रयागराज। मानसून आने में अब एक ही महीने का समय बचा है। अभी भी नालों की सफाई का काम शुरू नहीं हुआ है। राजरूपपुर वार्ड के सैकड़ों घर बरसात में जलभराव से घिर जाते हैं। यहां किराये पर रहने वाले लोग पिछले अनुभवों से डरकर मकान छोड़कर जाने लगे हैं। राजरूपपुर वार्ड-54 में जाफरी कॉलोनी और प्रजापति नाला सैकड़ों घरों से होकर गुजरता है। इन दोनों नालों की मानसून से पहले अगर दो से तीन बार सफाई न हो तो 100 से 150 घर जलमग्न हो जाते हैं। पिछले साल भी इन दोनों नालों की सफाई मानसून से पहले नहीं हुई थी। इस वजह से करीब 40 परिवार अपना खुद का घर छोड़कर किराये पर रहने लगे थे। कई लोगों ने पाई-पाई जोड़कर बनाए अपने आशियाने को बेचने का मन बना लिया था। इस बार भी इन दोनों प्रमुख नालों की सफाई अभी तक नहीं हुई है। जॉफरी कॉलोनी के कई मकान नाले के ऊपर बने हैं। इस वजह से नाले की सफाई करना मुश्किल हो गया है। बारिश के दिनों में नाले का पानी सैकड़ों घरों में घुस जाता है। कॉलोनी के 10 परिवार मकान बनवाने के बाद आज तक इसमें रहने नहीं आए। करीब 40 परिवार मानसून के दिनों में किराये के घर में रहने को मजबूर होते हैं। नगर निगम के पास भी इस समस्या का हल नहीं है। ऐसे में नाले पर बने कई निर्माण को तोड़कर नाले की सफाई करने की तैयारी है। यह नाला लूकरगंज से चलकर चकिया होते हुए राजरूपपुर वार्ड के जैन मंदिर से 60 फीट पर मिलता है। जैन मंदिर से लेकर जाफरी कॉलोनी तक हर साल करीब 250 घरों में पानी भरता है।

यहां पांच फीट तक पानी भर जाता है। लोगों ने अपने घरों पर जलभराव से बचने के लिए पांच फीट की दीवार उठा रखी है। इसका कोई लाभ नहीं मिलता। सूबेदारगंज से लेकर कालिंदीपुरम राजरूपपुर के बीच नंद गांव पार्क स्थित है। यहां पर प्रजापति नाला केसरिया रोड क्रॉस करके ससुरखदेड़ी नदी में चला जाता है। इसे प्रजापति नालो का जाता है। यह नाला नंद ग्राम से होकर गुजरता है। ऐसे में नाले की सफाई मानसून पर न होने से 100 से 150 घरों पर जलभराव का संकट मंडरा रहा है।

जाफरी कॉलोनी पर कई लोगों ने घर बना लिया है। इस वजह से नाले की सफाई नहीं हो पाती है। इस कारण कई घरों में जलभराव का संकट रहता है। राजू जैन, जैन मंदिर

नाले की सफाई का अगर कोई हल नहीं निकला, तो एक बार फिर कई घरों में नाले पानी घुस जाएगा। अनूप शुक्ला, जाफरी कॉलोनी

प्रजापति नाले की सफाई अब तक नहीं हुई है। मानसून के दौरान सैकड़ों घर जलमग्न हो जाते हैं। मुकेश दुबे, राजरूपपुर

नाले की सफाई अभी तक नहीं हुई है। ऐसे में जल भराव के संकट को देखते हुए हमने किराये का घर ढूंढना शुरू कर दिया है। संजय कुमार, राजरूपपुर

इस बार नगर निगम की तरफ से नाले की सफाई का टेंडर जोन के आधार पर किया है। ऐसे में अब तक नाले की सफाई का काम नहीं शुरू किया गया है। वार्ड के आधार पर नाले के सफाई की मांग उठाई है।

मिथलेश सिंह, पार्षद

राज्य मंत्री ने इलाहाबाद संग्रहालय की अनुभव वीथिका को देखा

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में सोमवार को यूपी सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने दिव्यांगों के लिए बनाई गई अनुभव वीथिका का अवलोकन किया। साथ ही स्कूली छात्रों से बात की। मंडलायुक्त व निदेशक सौम्या अग्रवाल ने राज्य मंत्री को अनुभव वीथिका की स्थापना, उसके उद्देश्य व उससे जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। संग्रहालय के सभागार में राज्य

मंत्री ने अनुभव वीथिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांगजनों के जीवन को सशक्त बनाने के लिए बजट को 665 करोड़ से बढ़ाकर 2141 करोड़ रुपये कर दिया है। अभी तक 12 लाख से अधिक दिव्यांगजन को एक हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण की राशि दी जा रही है। आने वाले समय में 15 सौ रुपये प्रतिमाह की राशि प्राप्त होगी। दिव्यांगजनों को शादी में आर्थिक सहायता दी जा रही है।

इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संचालन डॉ. संजू मिश्रा ने किया। आयोजन में दिव्यांग जन सशक्तीकरण विभाग के अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रयागराज मंडल के उपनिदेशक अशोक कुमार गौतम, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी चंद्रभान द्विवेदी, संग्रहालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी सुनील कुमार पांडेय का सहयोग रहा।

एमएमएम स्टेडियम की टीम ने जीती फुटबॉल प्रतियोगिता की ट्रॉफी

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम की टीम ने यंगस्टर्स महिला की टीम को एक-शून्य से हराकर डॉ. पीके सुर स्मारक महिला फुटबॉल प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। चौफटका स्थित साइमंड्स स्पोर्ट्स एरीना मैदान पर हुए फाइनल में निर्णायक गोल स्टेडियम की खिलाड़ी श्रेया यादव ने किया। जिला फुटबाल संघ के तत्वावधान में जॉर्ज टाउन फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से प्रतियोगिता आठ से 10 मई तक हुई।

मैच से पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी. अमित स्थलेकर, बनीता सूर और अदनान अहमद ने दोनों टीम से परिचय प्राप्त किया। समापन पर अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की।

मैच के रेफरी संजीव सिंह, कबीर खान और प्रेम भूटानी रहे। रेफरी पुरस्कार मृणालिनी सूर ने प्रदान किया। इस दौरान जॉर्ज टाउन फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष एंड्रयू नवनीत हक, आयोजन सचिव संजय भट्टाचार्य, संगीता हक, मकबूल अहमद, अनिल दास, एके मैनी, योगेश चंद्र, जेएल जॉर्ज और अबरार अहमद आदि उपस्थित रहे।

सेमीफाइनल में यंगस्टर्स ने गोपीगंज बी और एमएमएम स्टेडियम ने गोपीगंज ए की टीम को हराया

रविवार को पहले सेमीफाइनल में यंगस्टर्स महिला की टीम ने गोपीगंज महिला बी की टीम को दो-शन्य से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मैच से पूर्व जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष नारायण जी गोपाल ने दोनों टीमों से परिचय प्राप्त किया। दूसरे सेमीफाइनल में मदन मोहन मालवीय स्टेडियम की टीम ने गोपीगंज महिला ए की टीम को दो-शून्य से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मैच से पूर्व जॉर्ज टाउन फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष एंड्रयू हक ने दोनों टीमों से परिचय प्राप्त किया।

कोई नाता न रिश्तेदारी... सेवाभाव से निभा रहीं जिम्मेदारी

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन) में बीते पांच साल से नर्सों की कमी बनी हुई है। बावजूद इसके 33 स्टाफ नर्स 230 बेड के अस्पताल में पूरी शिद्दत से अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। मरीजों के सुख-दुख में शरीक होती हैं। उन्हें मायूस नहीं होने देती हैं। कॉल्विन में मानकों के आधार पर 111 नर्सों की तैनाती होनी चाहिए लेकिन अस्पताल सिर्फ 33 स्टाफ नर्सों के भरोसे चल रहा है। ऐसे में उनपर काम का दबाव रहता है। इसके बाद भी वह मरीजों को अपना मानकर दिन-रात सेवा करती हैं। उन्हें जांच से लेकर उपचार तक सब मुहैया कराती हैं। भावापुर निवासी शुभा सिंह वर्ष 1999 से कॉल्विन अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रही हैं। कई बार वह डबल ड्यूटी के कारण थक जाती हैं। ऐसे में संगीत सुनकर वह थकान दूर करती हैं और काम का तनाव हावी नहीं होने देती हैं। एडीए नैनी निवासी जॉली माइकल पीटर को पति माइकल पीटर का हमेशा था मिला। एक समय सास की तबीयत खराब होने की वजह से उनका काम करना मुश्किल हो गया था। उस वक्त पति ने मां की देखभाल की जिम्मेदारी उठाई और जॉली ने मरीजों की।

कॉल्विन अस्पताल के नर्सेस कॉलोनी निवासी सरिता यादव 2019 से अपनी सेवाएं दे रहीं हैं। एक समय परिवार की जिम्मेदारी की वजह से घर को संभालना मुश्किल हो गया था। तब पति ने फर्नीचर का कारोबार बंद कर घर संभाला ताकि सरिता मरीजों की देखभाल कर सकें। कॉल्विन अस्पताल में जब 100 बेड थे तब नर्सों के 39 पद थे। अब 230 बेड पर मरीजों की सेवा के लिए सिर्फ 33 स्टाफ नर्स हैं। काम के दबाव का असर नर्सों की सेहत पर भी पड़ रहा है। अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसके चौधरी ने शासन व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को पत्र लिखकर रिक्त पदों को भरने की मांग की है।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी मातृ दिवस के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज । शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति आशा जाकड़ द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अफ़रोज़ अजीज, शशि जायसवाल, साधना खरे, अनीता दुबे, सरिता कपूर, सुनीति केसरवानी, श्रद्धा श्रीवास्तव, रेणुका चौधरी, डॉ साधना शुक्ला, डॉ कुमकुम शुक्ला। रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

भंडारे में बांटा आम का पना,सुबह से हनुमान मंदिरों में लगी कतार

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में दूसरे बड़ा मंगल पर भंडारे में आम का पना बांटा जा रहा है। लंबी कतारों में लगकर लोग भंडारों के स्टॉल पर डटे रहे। कहीं पूड़ी के साथ छोला तो कहीं कद्दू की सब्जी बंट रही है। हर भंडारे में जो प्रसाद कॉमन है, वह है– बूंदी। एक अनुमान के मुताबिक शहर में 1000 हजार से ज्यादा भंडारे चल रहे हैं, लेकिन नगर निगम में 300 लोगों ने भंडारे के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। पहले मंगल पर 348 भंडारों का रजिस्ट्रेशन था। प्लॉस्टिक का प्रयोग रोकने के लिए पंचतत्व संस्था की ओर से बड़े मंगल के भंडारों में लगभग 45 हजार हरे पत्तल और हनुमान चालीसा से अभिमंत्रित 5 हजार पौधों का वितरण किया गया। आज हनुमान मंदिरों में भोर से कतारें लगी हुई हैं। घंटे–घड़ियाल बजने से माहौल भक्तिमय बना हुआ है। अलीगंज प्राचीन मंदिर, पुराने हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु, हनुमंतधाम, गुलाचीन, लेटे हनुमान मंदिर और दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में भक्तों का दर्शन के लिए तांता लगा है।

चलती ट्रेन से व्यक्ति को नीचे फेंका, 6 किमी तलाश के बाद मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में इंटरसिटी ट्रेन में सफर कर रहे एक व्यक्ति को सिरफिरे युवक ने चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। घटना निगोहां थाना क्षेत्र के आसपास की है। सूचना मिलने के बाद जीआरपी की टीम रातभर करीब 6 किलोमीटर तक रेलवे ट्रैक पर व्यक्ति की तलाश करती रही। मंगलवार सुबह ट्रैक पर उनकी डेडबॉडी मिली। मृतक की पहचान भदोही निवासी रामबिंद (55) के रूप में हुई। वह अपने साथी रमाकांत के साथ इंटरसिटी ट्रेन से भदोही से लखनऊ आ रहे थे। रात करीब 10 बजे ट्रेन में सफर के दौरान एक सिरफिरे युवक ने पहले उनका बैग फेंक दिया, इसके बाद उन्हें भी ट्रेन से नीचे फेंक दिया। मृतक के बेटे दीपक ने बताया कि रामबिंद शौचालय गए थे। करीब 20 मिनट तक वापस नहीं लौटे तो उनके साथी रमाकांत उन्हें तलाशने पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका पता नहीं चला। तब सफर कर रहे लोगों ने बताया कि एक सिरफिरे युवक ने किसी को फेंका है। उसके बाद उनकी खोजबीन शुरू की गई। ट्रेन चारबाग पर रुकी तब मामले की जानकारी जीआरपी को दी गई। जीआरपी और निगोहां थाने की पुलिस ने संयुक्त जांच शुरू की। सुबह स्थानीय लोगों ने बेटे दीपक बिंद को फोन कर सूचना दी कि उनके पिता का शव निगोहां थाने के पास रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूरी पर पड़ा है। तब तक जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर तलाश अभियान चलाया। करीब 6 किलोमीटर तक सर्च ऑपरेशन चला, लेकिन तब तक गांववालों ने इसकी सूचना दी। रामबिंद भदोही में खेती–किसानी करते थे। परिवार में तीन बेटे रामदेव, लालन और दीपक, दो बेटियां हैं। जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह ने बताया कि धक्का देने वाले को युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह पानीपत का रहने वाला है।

अवादा ग्रुप का राष्ट्रव्यापी अभियान, अवादा भारत उदय यात्रा

लखनऊ (संवाददाता)। स्वच्छ ऊर्जा बनाने वाली कंपनी, अवादा ग्रुप ने हाल ही में अपने महत्वाकांक्षी राष्ट्रव्यापी आंदोलन अवादा भारत उदय यात्रा की शुरुआत की है। जिसका उद्देश्य लोगों को सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी देना है। कंपनी ने स्वच्छ ऊर्जा निर्माण के क्षेत्र में 17.7 ळॅच का आंकड़ा पार कर लिया है। इसमें 7.2 ळॅच से अधिक की परिचालन क्षमता और लगभग 10.5 ळॅच निर्माणाधीन क्षमता शामिल है। जो कंपनी की मजबूत कार्यान्वयन क्षमताओं और विकास की गति को दर्शाता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान 2 ळॅच से अधिक क्षमता जोड़ी है, इससे यह साफ होता है कि कंपनी भारत में साफ बिजली बनाने वाली सबसे बड़ी और भरोसेमंद कंपनियों में से एक बन गई है।अवादा ग्रुप सूरज की रोशनी (सोलर), हवा (विंड) और बैटरी के तालमेल से ऐसी बिजली का उत्पादन करती है जो कभी खत्म नहीं होती और पर्यावरण को नुकसान भी नहीं पहुंचाती। उत्तर प्रदेश के दादरी में उनकी एक बड़ी फैक्ट्री भी है जहां सोलर पैनल बनाए जाते हैं।स्वच्छ ऊर्जा विकास के लिए कंपनी की योजनाओं को साझा करते हुए, अवादा एनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री किशोर नायर ने कहा कि दुनिया भर में तेल और गैस की सप्लाई में आ रही रुकावटों और देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए, प्राकृतिक ऊर्जा को अपनाना समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। आज की दुनिया में ऊर्जा की सुरक्षा और पर्यावरण का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर का राधे कप वॉलीबाल की ट्रॉफी पर कब्जा

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की टीम बनी प्रतियोगिता की उपविजेता

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन द्वारा स्थानीय सिविल लाइंस स्थित प्रधान डाकघर के खेल मैदान पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी स्व.राधेश्याम श्रीवास्तव जी की स्मृति में उनके पुण्यतिथि के अवसर पर दो दिवसीय ‘राधे कप जिला स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता’ संपन्न हुई। प्रतियोगिता में जनपद की कुल 8 आमंत्रित टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। देर रात्रि खेले गए प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बीच खेला। जिसमें केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय को 25 – 23 व 25 – 21 अंको से हराकर स्व. राधेश्याम श्रीवास्तव स्मारक जिला महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता की ‘राधे कप’ ट्रॉफी जीत ली। प्रतियोगिता का समापन समारोह पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन एच.नाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रवल डाकपाल प्रधान डाकघर प्रयागराज अशोक त्रिपाठी ने विजेता टीम केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर के खिलाड़ियों को राधे कप की चौंपियन ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया। विशिष्ट अतिथिद्वय के रूप में उपस्थित सहायक निदेशक प्रधान डाकघर प्रमिला यादव तथा पूर्व महामंत्री कायस्थ पाठशाला कुमार नारायण ने उपविजेता टीम इलाहाबाद विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया। एसोसिएशन के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का बैच लगाकर स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान अल्ताफ अली, संतोष कुमार, राजू पाल, निहारिका यादव, गुलशन हाशमी व नृपजीत सचान ने निर्णायक की भूमिका अदा की। वहीं प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर ने आनंद फौजी एकेडमी को 25 – 22 व 26 – 24 अंकों से हराया तथा दूसरे सेमीफाइनल मैच में इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज को 25 – 21 व 25 – 19 अंको से हराकर फाइनल में प्रवेश की थी। आयोजन समिति के चेयरमैन राकेश श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि एवं आयोजन सचिव राजेश वर्मा ने विशिष्ट अतिथि का बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। उक्त अवसर पर पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी के.पी. सिंह, फुटबॉल संघ के जिला सचिव मकबूल अहमद, पूर्व राष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी अंगद राय, अरुण सचान, विजय शंकर राय, कौशलेश शर्मा, भाजपा यमुनापार महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष शालिनी श्रीवास्तव, विजया सिंह, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, राजेश श्रीवास्तव, मुकेश शुक्ला, प्रियकांत पाठक, संजय वाष्णेय, अलीमुद्दीन खा, प्रभाकर चौबे, विमलेश कुमार, शिवशंकर, अतुल तिवारी, कमल ओझा व नीलेश श्रीवास्तव आदि जनपद के कई वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहें। अंत में एसोसिएशन के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने प्रतियोगिता में पधारें सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, दर्शकों व खेल प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समापन की घोषणा की।

सुंदरकांड पाठ में भक्ति की सरिता, मेधावी छात्र–छात्राएं व कलमकार हुए सम्मानित

रविन्द्र सिंह संवाददाता

प्रतापगढ़। बाबा बेलखरनाथ ब्लॉक क्षेत्र के फेनहा ग्रामसभा में मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय श्रद्धालु मौजूद रहे और पूरे वातावरण में भक्ति रस की धारा बहती रही। इस अवसर पर क्षेत्र के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। इनमें रजत सिंह (संत जोसेफ कॉलेज) सृष्टि पाण्डेय (श्रीराम बालिका इंटर कॉलेज) स्वरा यादव (बीबीएस एकेडमी) निहारिका पाण्डेय (सुशीला देवी हाईस्कूल), श्रेया सिंह (संस्कार ग्लोबल स्कूल) तथा अंशिका सिंह (मालती इंटर कॉलेज) शामिल रहीं। सभी को अनिल सिंह (संकल्प सिटी लखनऊ) द्वारा शील्ड व मेडल प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में उन्होंने मंडी इंस्पेक्टर रोहित श्रीवास्तव श्याम बहादुर सिंह को भी सम्मानित किया।

इस बीच पूर्व जिला सह संयोजक भाजपा मनोज कुमार सिंह ने क्षेत्रीय कलमकारों आशुतोष पांडेय वीरू तिवारी आशुतोष तिवारी आलोक यादव एवं अविनाश सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम में करुणा शंकर सिंह सूबेदार मेजर किशोर कुमार पाण्डेय देवेशमणि पाण्डेय राजकुमार पटेल उर्फ नन्हें राजू सिंह संजय सिंह राजीव सिंह यशवेंद्र सिंह रविन्द्र सिंह सिद्धार्थ सिंह रघुवर रोहित सिंह भीम राकेश सिंह कृपाशंकर दूबे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अगले 24 घंटे यूपी पर भारी, तेज रफ्तार हवाओं और ओलावृष्टि को लेकर मौसम विभाग की बड़ी चेतावनी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने से पश्चिमी इलाकों में गर्मी से फौरी

राहत मिली है जबकि पूर्वी क्षेत्र में अगले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में गरज–चमक, तेज आंधी, वज्रपात और ओलावृष्टि के आसार हैं। अमरोहा, मुरादाबाद, संभल और अलीगढ़ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश विशेष रूप से तराई और पश्चिमी जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुयी जिससे लोगों को गर्मी से फौरी राहत मिली। मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केंद्र द्वारा जारी प्रभाव आधारित पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार 12 मई को पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं झोंकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं जिलों में ओलावृष्टि की आशंका अधिक है।

वहीं सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा और औरैया समेत कई जिलों में तेज आंधी और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। 13 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच में गरज–चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। 14 से 16 मई के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मुरादाबाद से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा तथा संभल के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार सुबह आसमान में घने काले बादल छा जाने से दिन में ही अंधेरा पसर गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 26/19 दिनांक: 12.05.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20262101	गियर केस असेंबली	725 नग	22.06.2026
2	20262021	ट्यूब फॉर मोटर सस्पेंशन यूनिट	279 नग	15.06.2026
3	64255249A	हाईड्रोलिक डीसी वाल्व	784.00 Nos.	10.06.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1065/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

बारहमासी फूल

सदाफुली, सदाबहार,देते हैं पैगाम
बारहमासी फूल के, हैं सब नाना नाम।
हैं सब नाना नाम, नयनतारा, पेरीविंकल।
मैथारोन्थस पुष्प, काम करते हैं निश्छल।
सुन लो कहें प्रदीप,न कहना हैं मामूली।
रहें हमेशा साथ, दवा बन सदाफुली।।

कैंसर अरु मधुमेह से, जिसने दिया निजात।
सदाफुली उसको कहें, घर–घर भरे प्रभात।
घर–घर भरे प्रभात, फूल बनकर आकर्षक।
अपने कद अनुसार, खुशी देते हैं भरसक।
सुन लो कहें प्रदीप, रोग का बनके दुश्मन।
करते हैं उपचार, रहे चाहे वह कैंसर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 15/2026 दिनांक : 08.05.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ.म.(रे), प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या : 19256184A | मात्रा : 1141 सेट

विवरण - 05 वाट बीएलडीसी डिजिटल [illegible] सेट

ई.म.डी. रु0 : 5,79,870/- | निविदा खुलने की तिथि : 02.06.2026

नोट : 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। [illegible] 3. [illegible] 4. [illegible] https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध [illegible] 1050/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 05760/05759 न्यू जलपाईगुड़ी-आनंद विहार (ट.) विशेष रेलगाड़ी

05760 न्यू जलपाईगुड़ी-आनंद विहार (ट.)			05759 आनंद विहार (ट.)-न्यू जलपाईगुड़ी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	12:15	न्यू जलपाईगुड़ी	07:15	--
09:20	09:25	प्रयागराज	11:20	11:25
12:25	12:30	गोविंदपुरी	08:45	08:50
00:20	--	आनंद विहार (ट.)	--	02:40

न्यू जलपाईगुड़ी से- गाड़ी सं. 05760 (शुक्रवार), दिनांक- 22.05.2026 तथा आनंद विहार (ट.) से- गाड़ी सं. 05759 (सोमवार), दिनांक- 25.05.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-18, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 05664/05663 अगरतला-आनंद विहार (ट.) विशेष रेलगाड़ी

05664 अगरतला-आनंद विहार (ट.)			05663 आनंद विहार (ट.)-अगरतला	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	15:00	अगरतला	08:00	--
09:40	09:45	प्रयागराज	11:55	12:00
12:45	12:50	गोविंदपुरी	09:20	09:25
00:30	--	आनंद विहार (ट.)	--	03:00

अगरतला से- गाड़ी सं. 05664 (बुधवार), दिनांक- 20.05.2026 तथा आनंद विहार (ट.) से- गाड़ी सं. 05663 (सोमवार), दिनांक- 25.05.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-18, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 05666/05665 सिलचर-दिल्ली जं. विशेष रेलगाड़ी

05666 सिलचर-दिल्ली जं.			05665 दिल्ली जं.-सिलचर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	20:30	सिलचर	04:45	--
12:10	12:15	प्रयागराज	11:30	11:35
15:20	15:25	गोविंदपुरी	08:55	09:00
00:50	--	दिल्ली जं.	--	02:45

सिलचर से- गाड़ी सं. 05666 (गुरूवार), दिनांक- 21.05.2026 तथा दिल्ली जं. से- गाड़ी सं. 05665 (सोमवार), दिनांक- 25.05.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-16, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 05924/05923 न्यू तिनसुकिया जं.-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

05924 न्यू तिनसुकिया जं.-नई दिल्ली			05923 नई दिल्ली-न्यू तिनसुकिया जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	12:00	न्यू तिनसुकिया जं.	04:00	--
04:10	04:15	प्रयागराज	11:40	11:45
07:10	07:15	गोविंदपुरी	09:10	09:15
20:40	--	नई दिल्ली	--	02:50

न्यू तिनसुकिया जं. से- गाड़ी सं. 05924 (गुरूवार), दिनांक- 21.05.2026 तथा नई दिल्ली से- गाड़ी सं. 05923 (सोमवार), दिनांक- 25.05.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-18, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 05926/05925 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

05926 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली			05925 नई दिल्ली-डिब्रूगढ़	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	18:00	डिब्रूगढ़	00:15	--
12:40	12:45	प्रयागराज	12:05	12:10
15:50	15:55	गोविंदपुरी	09:30	09:35
01:40	--	नई दिल्ली	--	03:10

डिब्रूगढ़ से- गाड़ी सं. 05926 (गुरूवार), दिनांक- 21.05.2026 तथा नई दिल्ली से- गाड़ी सं. 05925 (सोमवार), दिनांक- 25.05.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-18, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 05832/05831 नाहरलगुन-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

05832 नाहरलगुन-नई दिल्ली			05831 नई दिल्ली-नाहरलगुन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	22:15	नाहरलगुन	22:15	--
03:05	03:10	प्रयागराज	12:30	12:35
06:10	06:15	गोविंदपुरी	09:55	10:00
18:30	--	नई दिल्ली	--	03:50

नाहरलगुन से- गाड़ी सं. 05832 (गुरूवार), दिनांक- 21.05.2026 तथा नई दिल्ली से- गाड़ी सं. 05831 (सोमवार), दिनांक- 25.05.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-18, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 05758/05757 न्यू जलपाईगुड़ी-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

05758 न्यू जलपाईगुड़ी-नई दिल्ली			05757 नई दिल्ली-न्यू जलपाईगुड़ी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	15:10	न्यू जलपाईगुड़ी	08:30	--
17:35	17:40	कानपुर सेंट्रल	08:30	08:35
03:00	--	नई दिल्ली	--	01:15

न्यू जलपाईगुड़ी से- गाड़ी सं. 05758 (शुक्रवार), दिनांक- 22.05.2026 तथा नई दिल्ली से- गाड़ी सं. 05757 (सोमवार), दिनांक- 25.05.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-18, सामान्य श्रेणी-02

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1061/26 (A)

सम्पादकीय.......

उत्तर प्रदेश: आत्मनिर्भर भारत की रक्षा शक्ति का नया केंद्र

ऑपरेशन सिंदूर को एक साल पूरा हो चुका है। जिस ऑप्रेशन ने आतंक के नैटवर्क को करारा जवाब दिया, उसने एक बात बिल्कुल साफ कर दी–आज उत्तर प्रदेश भारत की रक्षा निर्माण क्रांति का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। देश आज हमारी सेना के शौर्य का जश्न मना रहा है लेकिन उन फैक्ट्रियों, मिसाइल यूनिट्स और डिफैंस कॉरिडोर को भी पहचान मिलनी चाहिए, जो उत्तर प्रदेश की धरती पर तेजी से खड़े हो रहे हैं। ये सिर्फ उद्योगों का विकास नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी सफलता की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन सरकार ने इस सपने को जमीन पर उतारने का काम किया है। पी.एम. मोदी ने डिफैंस कॉरिडोर का विजन दिया, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लगातार सहयोग दिया और योगी आदित्यनाथ ने उसे तेजी से लागू किया। आज उत्तर प्रदेश डिफैंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के 6 बड़े केंद्र–आगरा, अलीगढ़, लखनऊ, कानपुर, झांसी और चित्रकूट–देश की रक्षा ताकत को नई ऊंचाई दे रहे हैं। यहां 35,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश पर तेजी से काम चल रहा है। जनवरी 2026 तक 12,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाएं शुरू हो चुकी थीं। राज्य सरकार ने बड़ी जमीन उपलब्ध कराई है और रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए विशेष सुविधाएं भी दी हैं। अब उत्तर प्रदेश सिर्फ फैक्ट्रियां नहीं बना रहा, बल्कि युद्ध में काम आने वाले आधुनिक हथियार तैयार कर रहा है। लखनऊ आज ब्रह्मोस मिसाइल और भारी रक्षा उपकरणों का बड़ा केंद्र बन चुका है। यहां बनी ब्रह्मोस मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी ताकत दिखाई। अलीगढ़ छोटे हथियार, ड्रोन, इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और रक्षा उपकरणों का बड़ा हब बन रहा है। कानपुर गोला–बारूद, मिसाइल, बुलेटप्रूफ जैकेट और रक्षा सामग्री के निर्माण में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं आगरा और चित्रकूट को एयरोस्पेस और प्रिसीजन इंजीनियरिंग के लिए विकसित किया जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश में आध्टलरी शैल, ड्रोन, बुलेटप्रूफ जैकेट और एडवांस कम्युनिकेशन सिस्टम बनाए जा रहे हैं। ऑप्रेशन सिंदूर में इस्तेमाल हुए कई ड्रोन और अन्य सिस्टम इसी कॉरिडोर से आए थे, जिन्होंने सेना को रियल टाइम जानकारी और ऑप्रेशन में मदद दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस डिफैंस कॉरिडोर को सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग तक सीमित नहीं रखना चाहते। उनका लक्ष्य इसे 'नॉलेज कॉरिडोर' बनाना है, जहां रिसर्च और टैक्नोलॉजी भी साथ–साथ आगे बढ़े। इसी दिशा में व्मतंजपवद ैपदकववत, न्जजंत च्तंकमीे, कममिदेम चवूमत व`िमस–तमसपंदज प्दकपं, क्मिदेम ब्वततपकवत के साथ मिलकर ड्रोन टैक्नोलॉजी के लिए सैंटर ऑफ एक्सीलैंस बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के पास देश की 56 प्रतिशत कुशल कार्यशक्ति और लगभग 96 लाख एम.एस.एम.ईज का विशाल नैटवर्क है, जो इसे रक्षा निर्माण के लिए सबसे मजबूत राज्य बनाता है। राज्य में 21,000 से ज्यादा स्टार्टअप्स भी शुरू हुए हैं, जो ए.आई., रोबोटिक्स, ड्रोन, सैमीकंडक्टर और डाटा सैंटर जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। इनमें से कई अब रक्षा क्षेत्र से भी जुड़ रहे हैं। इस पूरी सफलता की सबसे बड़ी ताकत रही है डबल इंजन सरकार का तालमेल। प्रधानमंत्री मोदी ने विजन दिया, राजनाथ सिंह ने केंद्र से मजबूत सहयोग दिया और योगी आदित्यनाथ ने जमीन पर उसे हकीकत बना दिया। ऑप्रेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर देश को यह समझना चाहिए कि लखनऊ की ब्रह्मोस मिसाइलें, अलीगढ़ के ड्रोन, कानपुर का गोला–बारूद और उत्तर प्रदेश में बने अन्य रक्षा उपकरण आयात नहीं किए गए थे। ये भारत में बने थे और बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश में बने थे। यही आत्मनिर्भर भारत की असली तस्वीर है। आज उत्तर प्रदेश सिर्फ देश की रक्षा यात्रा में हिस्सा नहीं ले रहा, बल्कि उसका नेतृत्व कर रहा है। आने वाले समय में यह राज्य सिर्फ भारत की जरूरतें पूरी नहीं करेगा, बल्कि दुनिया के मित्र देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करने वाला बड़ा केंद्र भी बनेगा। चुनौतियां अभी भी हैं, लेकिन दिशा साफ है और रफ्तार मजबूत। ऑप्रेशन सिंदूर के एक साल बाद आज उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भारत की सबसे मजबूत रक्षा शक्ति बनकर खड़ा है। भारत के रक्षा निर्माण का भविष्य अब उत्तर प्रदेश की धरती से उभर रहा है।

जनता की जान की कीमत पर वी.आई.पी. सुरक्षा क्यों?

विनीत नारायण

नर्मदा नदी के बरगी बांध के दुखद हादसे के बाद सोशल मीडिया पर एक आम नागरिक की टिप्पणी ने मुझे सोचने पर मजबूर किया। उसका कहना था कि जब देश में ऊर्जा संकट बढ़ रहा है और अनावश्यक दुर्घटनाओं में कीमती जीवन समाप्त हो रहे हैं, तो वी.आई.पी. सुरक्षा के नाम पर हजारों गाडियां और सुरक्षा कर्मी क्यों रात–दिन भागते रहते हैं? जबकि यही सुरक्षा कर्मी अगर यातायात, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा नियमों के कड़े अनुपालन और आपदा प्रबंधन के लिए तैनात रहें तो आम जनता को कितनी राहत मिलेगी? भारतीय मूल का 38 वर्षीय हिमांशु गुलाटी नॉर्वे का तीसरी बार सांसद है और वहां का उप–कानून मंत्री भी। उसे कोई वी.आई.पी. सुरक्षा नहीं मिली। उसने मुझे बताया कि नॉर्वे की पिछली प्रधानमंत्री एर्ना सोलबर्ग जब एक बार उसके घर रात्रि भोज पर आईं तो वह बिना किसी सुरक्षा बंदोबस्त के स्वयं कार चला कर आईं और सीधे रसोई में जा कर रसोइए से हाल–चाल पूछने लगीं। सिडनी से मेरी मित्र विमला ने पिछला लेख पढ़ कर फोन पर बताया कि कुछ दिन पहले वह सिनेमा घर में फिल्म देख रही थीं। अचानक उसकी निगाह पड़ी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री पर, जो उसी पंक्ति में बिना किसी सुरक्षा के फिल्म देख रहे थे। अमरीका और यूरोप के देशों में अक्सर आपको वर्तमान व निवर्तमान राष्ट्राध्यक्ष आम आदमी की तरह बाजारों में घूमते हुए दिख जाते हैं। जिनके आगे–पीछे कोई सुरक्षा घेरा नहीं होता। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने नेपाल में वी.आई.पी. संस्कृति को समाप्त करने के लिए कई कड़े निर्णय लिए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि वे अपने फैसलों पर टिके रहेंगे। यहां मेरा आशय भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों आदि की आवश्यक सुरक्षा को लेकर कोई टिप्पणी करने का नहीं है। पर इनके अलावा देश में लगभग 19,000 ऐसे लोग हैं, जिन्हें सरकारी सुरक्षा प्रदान की गई है। जिन पर 66,000 सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। अकेले दिल्ली में 500 लोगों को वी.आई.पी. सुरक्षा मिली है, जिस पर लगभग 750 करोड़ रुपए सालाना खर्च होता है। अंदाजा लगाइए कि बाकी 18,500 लोगों की सुरक्षा पर कितने हजार करोड़ रुपए खर्च होते होंगे? ये पैसा उस मतदाता की मेहनत की कमाई पर टैक्स लगाकर वसूला जाता है जिसे नर्मदा या वृंदावन की यमुना में सुरक्षा नियमों की लापरवाही के कारण बार–बार जान गंवानी पड़ती है। मुझे याद है कि 2003–05 में जब मैं वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर का अदालत द्वारा नियुक्त रिसीवर था तो मैंने वहां वी.आई.पी. गाडियों के प्रवेश को रोकने के लिए 2 मुख्य रास्तों के शुरू में ही लोहे की चेन लगवा दी थी, जो आजतक लगी हैं। ऐसा मैंने तब किया, जब संकरे प्रवेश मार्ग में मंदिर तक जाने को आमादा एक एस.डी.एम. की गाड़ी ने एक वृद्ध महिला को कुचल दिया। गली के बाहर मैंने एक बोर्ड भी टंगवा दिया था, जिस पर लिखा था, 'बिहारी जी धनीनाथ या वी.आई.पी.नाथ नहीं हैं–वे दीनबंधु दीनानाथ हैं। उनके द्वार पर दीन बनकर आओगे तभी उनकी कृपा पाओगे।' मुझे खुशी है कि न सिर्फ केंद्रीय मंत्रियों ने, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक ने इस नियम का पालन किया। पिछले कई दशकों से हालत यह है कि हर चंगू–मंगू, ऐरा–गैरा अपने राजनीतिक संपर्कों का लाभ उठा कर सरकारी सुरक्षा ले लेता है और फिर जनता के बीच दबंगई से घूमता है। इनमें से 99 फीसदी लोग ऐसे होते हैं जिन्हें कोई खतरा नहीं होता। पर अपनी ताकत और रुतबे का प्रदर्शन करने के लिए उन्हें सरकारी सुरक्षा पाने की लालसा रहती है। अगर पाठकों को यह आत्मश्लाघा न लगे तो विनम्रता से यहां उल्लेख करना चाहूंगा कि 1993–98 के बीच अलग–अलग जगहों पर मुझ पर कई बार जानलेवा हमले हुए। क्योंकि 'जैन हवाला कांड' को उजागर करके मैंने देश के सबसे ताकतवर लोगों और हिज्बुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादियों के विरुद्ध अकेले ही युद्ध छेड़ दिया था। पर प्रभु कृपा से मैं न तो डरा, न झुका और न बिका। उस दौर में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषण और मैं देश भर में जनसभाओं को संबोधित करने जाते थे तो अक्सर मुझसे यह प्रश्न पूछा जाता था कि 'आप इतना खतरनाक युद्ध लड़ रहे हैं, आपको डर नहीं लगता?' मेरा श्रोताओं को उत्तर होता था, 'मारे कृष्णा राखे के, राखे कृष्णा मारे के', श्री चौतन्य महाप्रभु के उक्त वचन से मुझे नैतिक बल मिलता था। इसलिए मुझे आश्चर्य होता है कि बड़े–बड़े मंचों से धार्मिक प्रवचन करने वाले केसरिया वेशधारी भी कमांडो और पुलिस के घेरे में रह कर गर्व का अनुभव करते हैं। मोह–माया त्यागने का उपदेश देने वालों की कथनी और करनी में इस भेद के कारण ही देश की आध्यात्मिक चेतना का विकास नहीं हो पा रहा। धर्म भी एक शान–शौकत की चीज बनता जा रहा है।

समय की मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी जी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ इस विषय पर गंभीर चिंतन करें और एक ऐसी नीति बनाएं, जिसमें सरकार की ओर से केवल राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सर्वोच्च व उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को छोड़ कर बाकी किसी को तब तक सुरक्षा न मिले, जब तक कि वास्तव में उनके जीवन को गंभीर खतरा न हो। इसमें उन राजनेताओं को भी अनावश्यक सुरक्षा न दी जाए, जो इन पदों पर रह चुके हों, पर अब किसी पद पर न हों। इसके बावजूद अगर कुछ नेता, उद्योगपति या अन्य लोग सरकारी सुरक्षा पाने के लिए आवेदन करें, तो उन्हें यह सुरक्षा इस शर्त पर दी जाए कि वे इसका खर्चा स्वयं वहन करेंगे। यहां कोई सवाल खड़ा कर सकता है कि इन लोगों को सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है। उसका उत्तर है कि जो लोग शासन–प्रशासन की लापरवाही से आए दिन दुर्घटनाओं में जान गंवा रहे हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है?

संवेदना से सुधरेंगे, केदारनाथ यात्रा के संकट

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

केदारनाथ समुद्र तल से करीब 11,750 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। मंदाकिनी नदी इसकी सीमा पर है। वर्ष 2026 के 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के ग्यारह दिन पहले मंदिर के पीछे के ग्लेशियल क्षेत्र से भारी भूस्खलन हुआ है। गौरीकुंड से केदारनाथ तक के पैदल मार्ग में आती बाधाओं को दूर किया जा रहा है। वर्ष 2024 के 30 जून को केदारनाथ मंदिर के दर्शन के लिए आये श्रध्दालुओं ने पांच बजे सुबह बर्फ की बौछार मंदिर के पीछे गांधी सरोवर के क्षेत्र में देखी। कुछ का कहना था कि उन्हें लगा बर्फ के पहाड़ ही टूट गये हों। वर्ष 2022–23 में भी कहते हैं ऐसा हुआ था। जून–जुलाई 2024 का संदर्भ हो या आज का अथवा केदारनाथ महा त्रासदी 2013 का, केदारनाथ पैदल मार्ग के पास के क्षेत्रों में पारिस्थितिकीय जोखिमों में बढ़ोत्री ही हो रही है। 31 जुलाई 2024 को लिंचौली जंगल चट्टी के ऊपर बादल विस्फोट से लिंचौली व भीमबली में बेहद खौफनाक मंजर दिखा था। केदारनाथ से गौरीकुंड के बीच हजारों यात्री फंसे हुये थे। लिंचौली में फंसे यात्री ज्यादा मुसीबत में थे क्योंकि न सिर्फ मंदाकिनी नदी, बल्कि बगल के पहाड़ से आता नाला भी पानी के साथ मलवा ला रहा था। ऐसी घटनाओं को आम कहने का प्रचलन बहुत बढ़ गया है। पूरा तंत्र ऐसे बयान देने लगता है। यदि ये सामान्य हो गई हैं, तो जलवायु बदलाव के दौर में केदारनाथ धाम की सुरक्षा के लिये विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है, लेकिन अब इतनी सुविधायें जुटा ली गई हैं कि प्रतिदिन वहां बीस–पच्चीस हजार यात्री समा सकते हैं। इतने ही रास्तों पर भी रहते हैं। इससे सीमित क्षध्त्र में हजारों इंसानों की उपस्थिति व गतिविधि से श्हीट आइलैंड्सश बनने की संभावनायें बढ़ी हैं। खुद यात्री कहते हैं अब तेज धूप झेलना मुश्किल होता है। पता नहीं केदारनाथ के तापक्रम परिवर्तन पर अलग से अध्ययन हुये हैं कि नहीं, किन्तु पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरे बढ़े हैं। पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ गया है। हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने की दर दुगुनी हो गई है और पहाड़ बर्फ–विहीन हो रहे हैं, परन्तु केदारनाथ जैसी जगहों के आसपास यदि ये होता है तो हम वैश्विक वजहों से इसे होना नहीं कह सकते। वैश्विक कारणों के साथ उन पर स्थानीय आघाती कारण भी जुड़ रहे हैं। फरवरी 2021 में नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से धौली गंगा में भारी बाढ़ आई थी। केदारपुरी जिस भूखण्ड में बसी है उसके नीचे हिमोड और भूस्खलनों का मलबा है। इस क्रम में यहां के श्ड्रैनेज पैटर्नश पर भूमिगत जल–प्रवाह, भण्डारित जलराशि की स्थिति व श्सरफेस रनऑफश के पैटर्न व आंकड़ों का अध्ययन करिये। इन विश्लेषणों से समझा जा सकता है कि भू–धंसाव के जोखिम के बीज तो यहां ही जम रहे हैं।

सीमा वर्णिका की कलम से

क्या वह आयी थी

मेरे हाथ काँप रहे थे हाथ से छूट कर अख़बार जमीन पर गिर पड़ा। कैसी मनहूस ख़बर सुबह सुबह पढ़ ली..

यह आँसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे ..अश्रुओं की अविरल धारा ने अतीत पर जमी धूल को हटाकर जैसे अनावृत कर दिया हो। सब कुछ चलचित्र भांति आँखों के समक्ष घूम रहा है। वह मेरी मित्र थी..या कोई पिछले जन्म का क़रीबी सम्बन्ध था उससे ..कभी मन समझ नहीं पाया।

श्सिद्धि श–हाँ यही नाम था उसका ..जब पहली बार मैंने उसे देखा था ...अजब सी कशिश..बोलती हुई आँखें .. स्नेहिल नजरें ..मिश्री सी मधुर मुस्कान ..मैं सहज ही उसके आकर्षण में कैद होता चला गया। हालांकि उसमें मुझमें उम्र का बड़ा फासला था। शायद तभी मैं कभी अपनी भावनाओं को प्रकट नहीं कर सका मन में एक अपराध बोध सा होता था। लोग क्या कहेंगे ..सिद्धि क्या सोचेगी ..क्या करें दिल पर भी तो कोई जोर नहीं ..कब कौन अच्छा लगने लगे ..ईश्वर जाने।

रोज उससे बातें करना.. उसे देखना ..उसकी पसंद नापसंद छोटी छोटी बातों पर ध्यान आकृष्ट होने लगा था .. खुद भी मैं पहले से ज्यादा अपने पहनावे अपने तौर तरीकों पर ध्यान देने लगा था.. अंदर से अजीब सी खुशी, एक नशा सा होने लगा था। मन यह जानता था कि हमारा मिलन क्षितिज की उस रेखा समान है जो बस मिलती प्रतीत होती कभी मिलती नहीं है लेकिन मन पर किसका काबू। मैं भावनाओं के सागर में गोते लगाते लगाते उसे हृदय के बहुत करीब ले आया था। उसके प्रति मेरी आत्मीयता ..मेरा स्नेह गहराई लेता जा रहा था। उसकी आँख में आँसू ..उसके चेहरे की एक शिकन..मेरे हृदय को तार तार कर देती थी मैं स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाता था। मैं अपने भावनाओं को स्वयं परिभाषित करते करते थक गया था ..यह कैसा प्रेम था या आकर्षण क्या था जो बढ़ता ही जाता था..थमने का नाम ही नहीं ले रहा था।

वक़्त करवट बदल रहा था. . एक दिन ऐसा आ गया सिद्धि ..मुझे मेरी दुनिया में अकेला छोड़ कर अपने ससुराल चली गयी ..कितना टूट गया था मैं . .मेरा अस्तित्व मुझसे प्रश्न करने लगा था ..मेरा अपना कल्पनालोक जलकर राख हो गया था। जीवन में सूनापन भर गया। उस रोज मैं अपने कमरे में फूट–फूट कर बच्चों की तरह रोया था। घंटों पुरानी मैगज़ीन में छपी उसकी तस्वीर को निहारता रहा था, जिसे मैने जान से ज्यादा सम्भाल कर रखा था।

बड़ी जद्दोजहद के बाद अपने को सम्भाल सका। सोचता था क्या सिद्धि को मेरा कभी ख्याल आता होगा ..उसकी नजरों में प्रेम था ..या धोखा ..नहीं ..नहीं उसकी नजरें मुझे मेरी भावनाओं को छल नही सकती ...उसकी आँखों में मैंने आदरपूर्ण आसक्ति का स्पष्ट भाव देखा था .. प्रेम की परिणति विवाह या मिलन ही तो नहीं ..प्रेम तो आत्मा की गहराई से किया जाता है फिर सांसारिक रस्मों का क्या अस्तित्व ..। कुछ भी हो..मेरे मन के संसार में ..सिद्धि ..तुम ही आज भी बसती हो ..आज भी तुम्हारी मुस्कानों से मेरा मन गुँजित होता है ..जब भी आँखें बन्द करता हूँ तुम आ जाती हो ..मैं अपने इस संसार में अपने को दुनिया का सबसे खुशकिस्मत इँसान मानता हूँ जिसे रुहानी प्रेम का अहसास मिला।

विचारों की श्रंखला टूट गयी थी ..यह कैसा तुषारापात हुआ मेरे हृदय पर...मेरे संसार पर ..हे ! ईश्वर मैंने तो तुमसे कुछ भी नहीं चाहा था ..बस उसको खुश देखकर ही जीवित था ....यह तुमने क्या किया .. सिद्धि हम सबको छोड़कर हमेशा के लिए चली गई.. विश्वास नहीं होता... विश्वास हो तो कैसे.. अभी दो दिन से मैं तेज बुखार में पड़ा था। शहर में अकेला रहता था यहाँ कोई नहीं था पानी तक देने वाला.. तभी सिद्धि आई थी.. वही चिर परिचित मुस्कान.. आँखों में शरारत का भाव.. लेकिन मुझे देखकर दुखी हो उठी थी। उसे मेरे एकाकी जीवन पर शायद तरस आ रहा था। उसने मेरे माथे पर ठंडे पानी की पट्टियां रखी दवाइयाँ लाकर खिलाई। उसका शीतल स्नेह स्पर्श पाकर मेरे बुखार से तपते शरीर को काफी राहत मिल गई थी। मैं अजलस्त हो चुका था शीघ्र ही निद्रा के आगोश में चला गया। जब मैं सोकर उठा स्वयं को स्वस्थ महसूस कर रहा था। सामने अखबार पड़ा था.. अनमना सा अख़बार पलटने लगा.. पन्ना पलटते ही एक तस्वीर पर नजर टिक गई ..यह तो सिद्धि है .. आँखों के आगे अँधेरा छा गया .. धड़कन थम गई.. मन चीत्कार कर उठा। क्या ! कल रात एक सड़क दुर्घटना में सिद्धि अपने भरे पूरे परिवार को छोड़ स्वर्ग सिधार गई।

मैं सदमे में था। मैं सोच में पड़ गया था। कल रात सिद्धि का एक्सीडेंट हुआ और वह काल के मुँह में समा गई तो . .फिर वह कौन थी.. जो रात भर मेरे पास मेरे साथ रही.. क्या उसकी आत्मा मुझसे मिलने आई थी.. उसने मेरी सेवा कर कौन सा ऋण चुकाया था। मैं प्रश्नों के चक्रव्यूह में फँसता जा रहा था.. क्या वह सचमुच आयी थी पर अब कोई नहीं था जो मुझे इस से बाहर निकालता।

–सीमा वर्णिका, कानपुर

खुल गई विपक्षी एकजुटता की नई राह!

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी ने वह हासिल कर लिया जो वे चाहते थे। अमेरिका के साथ की गई डील, ट्रंप द्वारा उनके और भारत के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियां और ईरान एवं अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका में उभरकर पाक की मजबूत अन्तरराष्ट्रीय स्थिति से उनके नेतृत्व पर उठे सवाल सब पृष्ठभूमि में चले गए। केवल बंगाल बंगाल रह गया। बंगाल में वे इसलिए जीत चाहते थे और यह उसी दिन तय हो गया था जब एपस्टीन फाइल से लेकर बाकी जो सारे सवाल ऊपर लिखे हैं, उठना शुरू हो गए थे और मोदी के पास उनका जवाब नहीं था। श्कहें खेत की, सुनें खलिहान कीश! मोदी जी यह खूब करते हैं। घर परिवार को बेवकूफ बनाने के लिए हमेशा से गैरजिम्मेदार लोग ऐसा ही करते थे। मोदी जी ने भी अपने और अपने से भी ज्यादा देश के खिलाफ जाने वाली डील और देश के खिलाफ इतनी बड़ी बात कि यह नरककुंड है, का जवाब देने के बदले बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनाकर बड़े सवालों को जीत के कालीन के नीचे छुपाने की कोशिश कर दी। अब यह विपक्ष पर है कि वह कैसे देश के सम्मान, हित के सवाल वापस जनता के ध्यान में लाए। बंगाल चुनाव से पहले मोदी बहुत बड़े संकट में थे। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने तक आने का साहस नहीं कर पाए थे। यह इतिहास में पहली बार हुआ है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब न दे पाए। और कारण ऐसा कि जिस पर खुद बीजेपी के लोग यकीन नहीं कर पाए कि प्रधानमंत्री को सदन के अंदर विपक्ष की महिला सदस्यों से खतरा है! लेकिन बंगाल जीतकर आप देखिए कि कैसी हिम्मत आई कि अपनी पार्टी की सबसे ताकतवर रही महिला नेता का नमस्कार भी स्वीकार नहीं। वह नेता जो दस साल सरकार में सबसे ताकतवर रही हो। एक समय ऐसा भी था कि नंबर दो जैसी हैसियत थी। अब वह बंगाल जीत के बाद कोलकाता के शपथ ग्रहण समारोह में एक बार नहीं दो दो बार हाथ जोड़ रही है मगर अब उसकी तरफ देखना भी गवारा नहीं। आंख में आंसू आ गए। बाकी सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने राज्य उत्तर प्रदेश पर ही ध्यान केन्द्रित करके यह ट्वीट कर ही दिया है कि नमस्कार का भी जवाब नहीं! महिला नेता ही अपमान झेलने को अकेली नहीं थीं एक मुख्यमंत्री भी थे। लेकिन अब मोदी को इन चीजों की कोई परवाह नहीं। बंगाल जीत कर वे खुद को विश्वविजयी समझने लगे हैं। बंगाल ही वह आखिरी किला था जहां भाजपा ने कभी सरकार का मुंह नहीं देखा था। जम्मू कश्मीर में भी वे उपमुख्यमंत्री पद तक पहुंच गए थे। पंजाब में भी सरकार में रहे। एक केरल जरूर बचा है मगर उसका राष्ट्रीय राजनीति में कोई ऐसा महत्व नहीं है जिस की वजह से वहां न जीतना किसी नकारात्मकता में आता हो। तमिलनाडु में भी भाजपा का दोनों द्रविड़ पार्टियों एआईडीएमके और डीएमके के साथ गठबंधन रहा है। बाकी और छोटी–छोटी बातों की डिटेल का कोई मतलब नहीं है। मुख्य बात यही है कि एक बंगाल ऐसा राज्य था जहां जीतकर मोदी यह बता सकते थे कि उनकी लोकप्रियता अभी भी बरकरार है। 56 इंच की छाती और लाल आंखों के रहने न रहने का कोई मतलब नहीं था। ऐसी तमाम कहानियां और गढ़ी जा सकेंगी। जैसे विश्वगुरू पर सवाल उठने लगे तो अब बंगाल जीत कर विश्वविजयी। उपमाएं बहुत गढ़ी जा सकेंगी। लेकिन जो बीजेपी और संघ में सवाल शुरू हो गया था कि जनता में मोदी की लोकप्रियता खत्म होने लगी है उसका जवाब उन्हें देना था। और बंगाल जीत कर वह उन्होंने दे दिया। बंगाल किस तरह जीता यह सबको मालूम है और यह भी मालूम है कि बंगाल जीतना ही था। बहुत बड़ा दांव लगा था। पहले चीन को सर्टिफिकेट देना कि कोई घुसा ही नहीं था, फिर ट्रंप के सीज फायर को मानना उसकी डील को, खुद पर देश पर कमेंट करने को, और अंत में अमेरिका और चीन द्वारा मिलकर पाकिस्तान को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना इसके बाद खुद का ग्राफ गिरना ही था। लेकिन मोदी जानते हैं कि सबको बेवकूफ बनाया जा सकता है। भाजपा संघ को केवल जीत दिलाने वाला व्यक्ति चाहिए। सत्ता अब उनसे छोड़ी नहीं जा रही। पार्टी विद डिफरेन्स, राष्ट्र पहले यह सब बातें वे भूल चुके हैं और मोदी इस बात को अच्छी तरह जानते हैं। बंगाल चुनाव उन्होंने मैनेज किया। और देखिए आज कहीं अमेरिका ट्रंप, चीन, पाकिस्तान के सवाल नहीं हैं। किसान मजदूर बेरोजगारी युवा के तो पहले ही खतम हो गए थे। गैस की प्राब्लम का तो बन ही नहीं पाया। हजारों मजदूर, मिस्त्री, छोटा कारोबार करने वाले शहर छोड़कर वापस गांवों में चले गए कि रोटी बनाने के लिए गैस नहीं मिल रही थी। मगर कोई सवाल नहीं। यह भी नहीं कि गांव में करेंगे क्या? मनरेगा खतम होने के बाद गांव में काम ही नहीं। अभी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट आई है कि भारत में हर एक घंटे में एक किसान या खेत मजदूर आत्महत्या कर रहा है। यह 2024 के आंकड़े हैं। और इनमें 56 प्रतिशत खेत मजदूर हैं। खेत मजदूरों के पास गांवों में कोई काम नहीं है।

रचना सक्सेना के गीत

छलका कर मधुरस का प्याला, कपट निचोड़ दो।
अपने उर लौ प्रीत जला लो, पथ को मोड़ दो।।

संबन्धों का अंतरंग ये, मधु रसधार है।
गरल कभी पलने मत देना, प्रिय शृंगार है।।
अग्निशिखा प्रतिघात हृदय में, रिपुता तोड़ दो।
छलका कर मधुरस का प्याला, कपट निचोड़ दो।।

सखा कृष्ण के रहे सुदामा, यह अनुबंध है।
इससे धन दौलत का कोई, क्या संबंध है।।
ऐसी रीति प्रीत की धारा, प्रियतम जोड़ दो।
छलका कर मधुरस का प्याला, कपट निचोड़ दो।।

आह प्रीत की हिय से उपजे, बहता नीर है।
बेसुध होकर नाचे मीरा, कैसी पीर है।
प्रियतम मेरे हिय में बसकर, हिय से जोड़ दो।
छलका कर मधुरस का प्याला, कपट निचोड़ दो।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

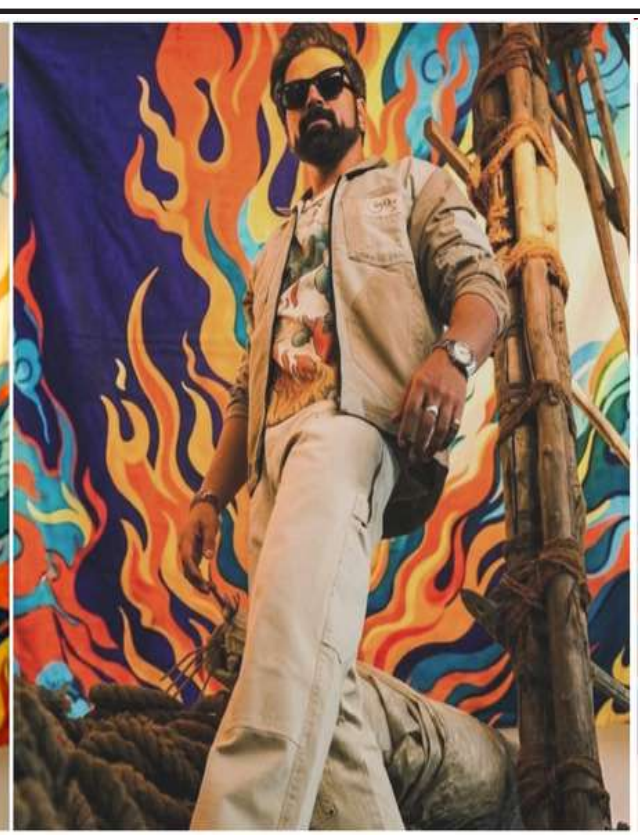

स्टंट करने में मेरी हालत खराब होगी', 'खतरों के खिलाड़ी 15' से पहले बोले धनजानी

टीवी पर हमेशा हंसते, दूसरों को सहज महसूस कराते और हर मुश्किल पल को मजाक में बदल देने वाले ऋत्विक धनजानी इस बार खुद डर के बीच फंसे नजर आएंगे। दरअसल, ऋत्विक 'खतरों के खिलाड़ी 15' में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने जा रहे हैं। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि श्खतरों के खिलाड़ी 15श में जाने से पहले ऋत्विक किसी माचो इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहे। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर मैं डरूंगा, तो वो दिखेगा भी। ऋत्विक ने अपने गेम प्लान, डर, स्टंट और मेडिटेशन के बारे में खुलकर बात की। 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले अमर उजाला से बातचीत में ऋत्विक ने स्वीकार किया कि उन्हें आज भी ऊंचाई से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'हाइट्स हमेशा से मेरे लिए थोड़ा ट्रिगर रही हैं। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कैमरे के सामने ये दिखाएं कि मुझे किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। अगर डर है तो है। मैं उसे छिपाने वाला नहीं। मुझे लगता है लोग आज बहुत जल्दी नकली चीज पकड़ लेते हैं। इसलिए मैं यहां कोई सुपरहीरो बनने नहीं आया हूं। मैं बस रियल रहना चाहता हूं। अगर किसी स्टंट में मेरी हालत खराब होगी, तो होगी। अगर मैं पैनिक करूंगा, तो वो भी दिखेगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस शो के जरिए अपनी कोई इमेज बदलना या तोड़ना चाहते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं कोई इमेज नहीं तोड़ना चाहता, क्योंकि सच कहूं तो मैंने कभी खुद को किसी इमेज में बांधा ही नहीं। लेकिन हां, लोग मुझे हमेशा हंसते हुए देखते हैं, मजाक करते हुए देखते हैं।

इस बार शायद वो मेरा वो साइड भी देखेंगे जो चुप हो जाता है, डरता है और जो खुद से लड़ता है।' शो में खुद को संभालने के लिए ऋत्विक किसी मोटिवेशनल स्पीच पर नहीं, बल्कि मेडिटेशन पर भरोसा कर रहे हैं। क्योंकि उनका मानना है कि स्टंट से ज्यादा लड़ाई आपके दिमाग के अंदर चल रही होती है। बाकी कंटेस्टेंट्स की बात आते ही ऋत्विक ने फनी अंदाज में कहा कि हर्ष (गुजराल) तो पहले से दोस्त है और मुझे पता है कि हम दोनों मिलकर बहुत पागलपन करने वाले हैं। जैस्मिन (भसीन) के साथ भी बहुत मजा आएगा। सेट पर ड्रामा कम और मस्ती ज्यादा होने वाली है। जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा चोट किस चीज से लगेगी, स्टंट हारने से या सबके सामने डर जाने से, तो उन्होंने कहा कि ईगो दोनों में हर्ट हो सकता है। लेकिन शायद ज्यादा तब, जब आप खुद को निराश कर दो। बाकी लोग क्या सोचते हैं, वो उतना जरूरी नहीं होता। शो के होस्ट रोहित शेट्टी को लेकर भी ऋत्विक ने कहा कि मुझे लगता है रोहित सर मुझे ज्यादा पुश करेंगे क्योंकि उन्हें पता है कि मैं प्रेशर में भी एंटरटेन कर सकता हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं चाहता भी हूं कि वो मुझे लिमिट तक लेकर जाएं। क्योंकि कई बार इंसान की असली पर्सनैलिटी तभी बाहर आती है, जब वो पूरी तरह कम्फर्ट जोन से बाहर हो।

तृषा बनेंगी कमल हसन और रजनीकांत की अगली फिल्म का हिस्सा ?

इंडस्ट्री में चर्चा है कि अभिनेत्री तृषा कृष्णन, नेल्सन दिलीपकुमार निर्देशित अगली फिल्म का हिस्सा बन सकती हैं। इस फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन लंबे वक्त बाद साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म के विषय पर कथित तौर से एक्ट्रेस से बातचीत चल रही है। नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म केए•आरके का फैंस को बड़ा इंतजार है। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि यह मल्टीस्टारर है। फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन अहम भूमिका में होंगे। अब सुनने में आया है कि तृषा भी इससे जुड़ सकती हैं। हालांकि, अब तक इस मामले पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर खबरों की मानें तो अभिनेत्री से प्रोजेक्ट पर बात चल रही है। फिल्म केए आरके से साउथ के दोनों

सुपरस्टार्स रजनीकांत और कमल हासन फिर से दशकों बाद एक साथ नजर आएंगे। फिल्म दोनों ही एक्टर्स के फैन के लिए यादगार होने वाली है। कुछ दिन पहले ही फिल्म की घोषणा के साथ मेकर्स मे एक वीडियो भी जारी किया था। जिसमें दोनों दिग्गज रेट्रो स्टाइल में नजर आ रहे थे। सोशल मीडिया पर यह बहस भी चल रही है कि फिल्म का मेन लीड हीरो कौन होगा? रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत और कमल हसन की इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू हो सकती है। नेल्सन फिलहाल पटकथा, लोकेशन, कलाकारों और तकनीकी टीम पर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही इस फिल्म को अब तक का सबसे बड़ा तमिल प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। फिलहाल, मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की जानकारी शेयर नहीं की है।

क्या ऐश्वर्या राय से आलिया भट्ट ने छीना बड़ा ब्रांड ?

79वें कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के शुरू होने से पहले एक बड़े ब्रांड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसको कई साल से ऐश्वर्या राय बच्चन प्रमोट करती आई हैं। लेकिन इस ब्रांड वीडियो में ऐश्वर्या नहीं बल्कि आलिया भट्ट नजर आ रही हैं। इस बात से ऐश्वर्या के फैंस बेहद निराश और गुस्से में हैं। ऐश्वर्या साल 2004 से एक बड़े ब्रांड की ग्लोबल एंबेसडर हैं। हर साल वह कान के रेड कार्पेट पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती आई हैं। लोग उन्हें कान की क्वीन भी कहते हैं। इसलिए इस साल भी फैंस उनका इंतजार कर रहे थे। लेकिन रविवार को इस ब्रांड ने अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस वीडियो में कान के मार्टिनेज होटल की तस्वीरें थीं। होटल की छत से दुनिया भर की कई महिला सितारों के पोस्टर लटक रहे थे। इनमें आलिया भट्ट का पोस्टर भी दिख रहा है, लेकिन ऐश्वर्या राय का कहीं नामो–निशान नहीं है। जिससे ऐश्वर्या के फैंस काफी नाराज हो गए हैं। इस वीडियो को देखने के बाद ऐश्वर्या के फैंस काफी नाजार हैं। फैंस ने तुरंत कमेंट करके सवाल पूछना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, हर कोई पूछ रहा है कि ऐश्वर्या का पोस्टर कहां है? नए चेहरे आ सकते हैं, लेकिन ऐश्वर्या को कोई नहीं बदल सकता एक और यूजर ने लिखा, ब्रांड भूल गया क्या कि भारत में ऐश्वर्या ने ही उनकी ब्रांड को नई पहचान दिलाई है? बहरहाल, अभी तक इस पेरिस ब्रांड की तरफ से इस मामले पर कोई जवाब नहीं आया है। फैंस को उम्मीद है कि ब्रांड जल्द ही इस बारे में कुछ स्पष्ट करेगा।

अनन्या पांडे–लक्ष्य स्टारर चांद मेरा दिल का ट्रेलर हुआ लॉन्च, रोमांटिक ड्रामा में दिखी प्रेम कहानी की झलक

अनन्या पांडे और लक्ष्य अभिनीत फिल्म चांद मेरा दिल का आधिकारिक ट्रेलर सोमवार को रिलीज किया गया। यह रोमांटिक ड्रामा 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने इसके स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स को भी लिखा है। ट्रेलर की शुरुआत एक नाटकीय और तनावपूर्ण दृश्य से होती है, जिसमें आरव और चांदनी के बीच एक अप्रिय टकराव दिखाई देता है। आरव अपने व्यवहार के लिए माफी मांगते नजर आते हैं। इसके बाद ट्रेलर उनके रोमांस की कहानी को दिखाता है, जिसे चांदनी एक फेयरीटेल रोमांस के रूप में वर्णित करती है। हालांकि, आरव की कोई गलती उनके प्यार के बीच बाधा बनती है, जिसे उसकी बहन पूरी तरह से माफ नहीं कर पाती। ट्रेलर ने इस संघर्ष को दर्शाया है, लेकिन कहानी का पूरा खुलासा नहीं किया। विवेक सोनी ने निर्देशन के साथ–साथ स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स में भी योगदान दिया है। सहायक कलाकारों में मनीष चौधरी, इरावती हर्षे और आस्था सिंह शामिल हैं। संगीत की जिम्मेदारी सचिन–जिगर ने संभाली है और गीत अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखे गए हैं। अब तक फिल्म के तीन सिंगल्स रिलीज किए जा चुके हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म का निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमन मिश्रा और मेरिज्क डी'सौजा ने किया है। 22 मई को चांद मेरा दिल मेजर थिएट्रिकल रिलीज के रूप में प्रदर्शित होने वाली एकमात्र फिल्म है। यह फिल्म अनन्या पांडे और लक्ष्य के बीच पहली सहयोगी फिल्म है, जो रोमांटिक ड्रामा प्रेमियों के लिए खास है।

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' का कोलकाता कनेक्शन, बड़ा इवेंट बना चर्चा का विषय

आखिरी सवाल, जिसमें संजय दत्त लीड रोल में नजर आएंगे, धीरे–धीरे अपनी रफ्तार पकड़ रही है और 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल होती जा रही है। अपनी दमदार घोषणा और साहसपूर्ण टीजर के बाद से ही इस प्रोजेक्ट ने जबरदस्त चर्चा बटोरी है। फिल्म के टीजर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं की तनावपूर्ण और दिलचस्प झलक दिखाकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। इसी बढ़ते क्रेज के बीच अब फिल्म की टीम 14 तारीख को कोलकाता पहुंचने जा रही है, जहां संजय दत्त और पूरी स्टारकास्ट फिल्म के प्रमोशन को नई रफ्तार देगी। आखिरी सवाल की टीम 14 तारीख को कोलकाता पहुंचेगी, जहां संजय दत्त समेत फिल्म से जुड़े सितारों का शानदार स्वागत होगा। ऐसे में उनके साथ मिथुन चक्रवर्ती, अभिजीत मोहन वारंग, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी, नमाशी चक्रवर्ती भी अपनी मौजूदगी दर्ज करेंगे। इस दौरे को लेकर फैंस के बीच पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। ऐसे में, संजय दत्त और पूरी टीम मीडिया से मुलाकात करेगी, जहां फिल्म, इसके दमदार विषय और अपने किरदारों को लेकर बातचीत की जाएगी। साथ ही सितारे फैंस से भी रूबरू होंगे, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाएंगे और बातचीत करेंगे। माना जा रहा है कि यह इवेंट शहर में फिल्म को लेकर चर्चा और उत्साह को नई ऊंचाई देगा।हालांकि, हाल ही में यह फिल्म सीबीएफसी (सीबीएफसी–केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड) की जांच के घेरे में फंस गई, जिसकी वजह से इसकी रिलीज योजनाओं में देरी हुई है। इस स्थिति के कारण ट्रेलर लॉन्च को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई थी, क्योंकि सेंसर बोर्ड की समीक्षा प्रक्रिया चल रही थी। अब सेंसर बोर्ड से क्लीयरेंस और आधिकारिक हरी झंडी मिलने के बाद सभी चिंताएं आखिरकार दूर हो गई हैं। सब कुछ तय होने और सेंसर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, मेकर्स अब पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े हैं। आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को–प्रड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

क्या बच्चे के गले में अम्बिलिकल कॉर्ड लिपटने से होता है जान का खतरा, प्रेग्नेंसी में ऐसे सोएं महिलाएं

अम्बिलिकल कॉर्ड एक ट्यूब जैसी संरचना जो मां और शिशु को गर्भ के अंदर एक–दूसरे से जोड़े रखती है। अम्बिलिकल कॉर्ड मां से शिशु तक ऑक्ग्सीजन और फूड को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती है। लेकिन जब यह गर्भ में पलने वाले बच्चे के गले में लिपट जाती है। तो इस स्थिति को न्यूकल कॉर्ड कहा जाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में एक रिसर्च के अनुसार, प्रेग्नेंसी के 24 से 26 हफ्ते में लगभग 12: और पूर्ण अवधि तक पहुंचने पर 37: दर्ज की गई घटनाओं के साथ न्यूकल कॉर्ड आम है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट्स से कि क्या मां के सोने की पोजीशन के कारण न्यूकल कॉर्ड होता है या नहीं।

सोने की पोजीशन से न्यूकल कॉर्ड

गर्भवती महिलाओं को हमेशा हमेशा लेफ्ट लेटरल पोजीशन में सोने की सलाह दी जाती है। डॉक्टर के अनुसार, जब प्रेग्नेंट महिला लेफ्ट लेटरल स्लीप पोजीशन में होती है, तो भ्रूण को ब्लड की आपूर्ति बढ़ जाती है। वहीं जब भी महिला अपने बिस्तर से बाहर निकलती है तो सबसे पहले उसको अपने बाईं तरफ मुड़ना चाहिए। तब इसके बाद खड़ा होना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को अचानक से उठकर नहीं खड़ा होना चाहिए।

जानिए क्या कहती हैं डॉक्टर

डॉक्टर बताते हैं कि इस बात का कोई ऐसा प्रमाण नहीं है कि गर्भवती महिला की स्लीप पोजीशन से न्यूकल कॉर्ड होती है या नहीं। उन्होंने बताया कि अधिकतर न्यूकल कॉर्ड की स्थिति अपने आप हो सकती है। इसका मां की एक्टिविटी से कोई संबंध नहीं होता है। लेकिन कुछ रिसर्च में कुछ कारकों जैसे असामान्य रूप से लंबा होना अम्बिलिकल कॉर्ड का लंबा होना है। या फिर न्यूकल कॉर्ड का हिस्ट्री रहना। ऐसी स्थिति में न्यूकल कॉर्ड का जोखिम बढ़ सकता है।

डॉक्टर को कब दिखाएं

एक्सपर्ट्स के अनुसार, यदि मां को बेबी के मूवमेंट या फिर अम्बिलिकल कॉर्ड के गर्दन पर लिपट जाने को लेकर चिंता है। तो ऐसे में अपको फौरन मेडिकल हेल्प लेनी चाहिए। फीटल डिस्ट्रेस के संकेतों में शिशु का मूवमेंट कम फील होना, या फिर अचानक से फीटल एक्टिविटी बढ़ना, फीटल हार्ट रेट का लगातार घटना शामिल हैं।

न्यूकल कॉर्ड का प्रमाण

न्यूकल कॉर्ड को लेकर ऐसा कोई स्प्पष्ट प्रमाण नहीं है कि मां की स्लीपिंग पोजीशन के कारण न्यूकल कॉर्ड की स्थिति होती है। अधिकतर न्यूकल कॉर्ड में कोई कॉम्पलिकेशन नहीं है। डॉक्टर ने बताया कि प्रेगनेंट महिलाओं को बाईं करवट लेटना चाहिए। प्रेग्नेंसी में बाईं तरफ करवट लेकर सोना सबसे सुरक्षित स्लीपिंग पोजीशन होती है। यह पोजीशन प्लेसेंटा में रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है। जिससे कि विकासशील भ्रूण को ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति में सुधार होता है। यह पैरों के साथ ही टखनों में सूजन को कम करने में सहायता करता है। साथ ही यह एसिड रिफ्लक्स से जुड़ी परेशानी को कम करने के अलावा सीने में जलन की समस्या भी नहीं होती है।

इन स्लीप पोजीशन को करें अवॉइड

गर्भवती महिलाओं को आखिरी के महीनों में पीठ के बल लेटकर नहीं सोना चाहिए। क्योंकि ऐसे सोने से स्टिलबर्थ का खतरा बढ़ सकता है। इससे प्रेग्नेंट महिला को सांस फूलने, चक्कर आने और पीठ के निचले हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है। हालांकि लेटने के दौरान आप सिर, पीठ और पैरों को सपोर्ट देने के लिए तकिए का उपयोग कर सकती हैं।

परिवार के साथ हर सफर हो जाता है सुहाना, मौज–मस्ती के साथ होते हैं कई एक्सपीरियंस

परिवार के साथ यात्रा में मौज मस्ती के अलावा निश्चिंतता भी बढ़ जाती है। पूरे परिवार के साथ घूमने–फिरने में जो मजा और निश्चिंतता होती है। क्योंकि परिवार के सदस्यों के साथ किसी भी तरह की औपचारिकता नहीं करनी पड़ती है। परिवार साथ हो तो खर्चे में भी राहत मिल जाती है। वहीं मन में यह भी भाव होता है कि वैकेशन के दौरान अगर किसी चीज में एक्सट्रा खर्च आता है तो एक साथ मिलकर संभाल लेंगे। इसके अलावा परिवार के साथ जीवन भर की यादें भी मन में बस जाती हैं।

परिवार के साथ बिताए गए हर पल सकारात्मक ऊर्जा पाने का अवसर बन जाते हैं। वहीं परिवार के साथ की गई यात्रा के दौरान हम कई अनुभव करते हैं और एक–दूसरे को समझने का मौका मिलता है। जब नई पीढ़ी नौकरी, शादी या पढ़ाई के लिए आप देश से बाहर जाते हैं। तो यही यादों का पिटारा आपके मन को तसल्ली देने का काम करता है।

बनेगा बेहतर बॉन्ड

भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति समय की कमी को लेकर सबसे ज्यादा परेशान रहता है। जहां बड़ों को ऑफिस और काम से फुरसत नहीं मिलती तो वहीं बच्चों को स्कूल और वर्चुअल दुनिया से छुटकारा नहीं मिल पाता। ऐसे में पूरे परिवार को एक साथ लाने के लिए वैकेशन सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। एक छुट्टी घर में रहते हुए भी बच्चों और पैरेंट्स के बीच संवाद की कमी को मिटा देती है। वैकेशन के दौरान आप परिवार के हर सदस्य के साथ अपने बॉन्ड को बेहतर कर सकते हैं। फिर चाहे वह हस्बैंड–वाइफ हों, बच्चे व पैरेंट्स हो।

खुशियां करें इकठ्ठा

भले की आप परिवार के साथ सिर्फ 2 दिन के छोटे ही वैकेशन पर क्यों न जाएं। लेकिन साथ में गुजारे गए ये पल आपको जीवन भर भी खुशिया सहेजने का मौका देते हैं। जब भी आप उदास या किसी उलझन का सामना कर रहे होते हैं, तो परिवार के साथ बिताए गए इन पलों को याद करने से आप अच्छा फील करने लगेंगे। यात्रा के यह वो पल होते हैं जो सबसे बेस्ट और अच्छे होते हैं। छुट्टियों में परिवार के साथ बिताया गया हर लम्हा आपको खुशियां देने के साथ ही तरोताजा करमे का काम करता है। वहीं छुट्टियों के जरिए आप रिश्तों की कड़वाहट को भी दूर कर सकते हैं।

काबिलियत जानने का मिलता है मौका

आज के दौर में हर कोई इतना व्यस्त हो जाता है कि वह शायद यह भी भूल जाता है कि उनकी पत्नी, बहन, बेटी या घर की अन्य महिला संगीत या नृत्य में भी इंट्रेस्ट रखती हैं। या आपके पिता व भाई अच्छी व्हिसिलिंग या तैराकी करते हैं। या परिवार के किसी सदस्य की फोटोग्राफी स्किल्स बहुत ही शानदार हैं। लेकिन जब आप परिवार के साथ छुट्टियां बितातें हैं तो आपको कई ऐसी बातें याद आती हैं, जो यह याद दिलाने में मदद करती हैं कि परिवार के कौन से सदस्य में क्या खासियत या काबिलियत है। परिवार के साथ यात्रा आपको उस व्यक्ति के बारे में करीब से सोचने का मौका देने के साथ ही उनके प्रति सम्मान भी महसूस कराता है। यह एहसास आपके रिश्तों में गर्माहट भरने का काम करता है।

नई चीजों का अनुभव करना

यात्रा का मतलब होता कि किसी जगह को एक्सप्लोर करना। नई चीजों को जानने और उनको जीने का मौका। इससे न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी काफी कुछ सीखते हैं। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपने बचपन के संस्मरणों में इस बात का जिक्र किया है, पिता के साथ की गईं यात्राओं ने टैगोर को प्रकृति और परिवेश के बारे में अद्भुत जानकारियां दी। क्योंकि हर नए सफर में हम न सिर्फ उस स्थान के बारे में जानते हैं, बल्कि वहां का परिवेश, संस्कृति, खाना–पीना, भाषाओं–बोलियों, लोगों आदि के बारे में बहुत कुछ जानने व सीखने का मौका मिलता है।

सकारात्मक रहना

सफर के दौरान हो या किसी जगह पहुंचने के बाद अगर किसी तरह की मुसीबत आती है तो उसका एक ही हल होता है कि फौरन उस समस्या का समाधान ढूंढा जाए। आपको यह भी यात्राएं सिखाती हैं। अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना, नए मौसम से सामंजस्य बैठाना, एडवेंचर स्पोर्ट्स आदि एक्टिविटीज के माध्यम से अपनी सीमाओं को चुनौती देता, नए वातावरण के अनुसार खुद को ढालना। यह सब ऐसी स्थितियां हैं जो आपको सकारात्मक बनाए रखने में मदद करती हैं। यह स्थितियां सिर्फ वैकेशन के दौरान ही नहीं बल्कि आने वाले जीवन में कई चुनौतियों में आपकी मदद करता है।

एक–दूसरे की ताकत बनने का मौका

परिवार के सदस्य अक्सर साथ रहते हुए भी इस साथ रहने की ताकत को नहीं समझ पाते। लेकिन परिवार संग छोटी सी वेकेशन यह बात अच्छे से समझा सकती है। उदाहरण के तौर पर यदि कहीं होटल में जगह न मिल पाना, कहीं गाड़ी में कोई खराबी आ जाना, कहीं ठीक तरह से भोजन का इंतजाम न हो पाना आदि जैसी समस्याएं सामने आने पर पूरा परिवार मिलकर इन समस्याओं का सामना करता है। यह एक तरह का मोटिवेशन होता है जो आपको यात्रा के दौरान मिलता है। ऐसी समस्याओं का सामना एक साथ करने पर बच्चों से लेकर बड़ों तक को यह बात आसानी से समझ आ जाती है। परिवार से अच्छा और कोई सहयोगी नहीं होता। परिवार ही हम सबकी असली ताकत होती है।

जानें यह भी फायदे

अक्सर यात्रा के दौरान हम सभी को काफी कुछ सीखने को मिलता है। कई बार दुनिया की व्यवहारिक सीख पाने के साथ ही स्वयं को भी कई स्तरों पर परखने का मौका मिलता है। वहीं बच्चों को खेलने–कूदने के लिए बड़ी और ज्यादा जगह मिलती है। शहरों में सभी के घर बंद और छोटे होते हैं, इसलिए फैमिली के साथ ट्रिप करने के दौरान आप मस्ती के अलावा खुली हवा में सांस ले पाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों को पैसों का प्रबंधन सिखाना चाहते हैं, तो यह काफी अच्छा मौका साबित हो सकता है। इस दौरान आप बच्चों को नए शहरों की जानकरी, मैप का उपयोग करना, आने –जाने के रुट आदि जैसी चीजों को सिखा सकते हैं। परिवार के साथ यात्रा करना एक ऐसा अनुभव होता है, जो जिंदगी भर आपके काम आता है।

सिर्फ एक गिलास आलूबुखारे का जूस पीने से दूर होंगे कई रोग, जानें इसे बनाने का तरीका

आलूबुखारा पौष्टिक गुणों से भरपूर होता है। इसमें मिनरल्स, विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, आयरन, पोटेशियम, एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल, एंटी–वायरल, एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं। जो शरीर को स्वास्थ्य और स्किन से जुड़ी कई सारी समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। आलूबुखारे के जूस का सेवन करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है और हाई ब्लड प्रेशर की कंट्रोल रहता है। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

सामग्री

आलूबुखारा – 7 से 8
पानी – 2 गिलास
बरफ के टुकड़े – 4 से 5
चीनी – 2 बड़े चम्मच
काला नमक – (चम्मच

बनाने की विधि

1 सबसे पहले आलूबुखारे को अच्छे से धोकर चाकू से काट लें और इसके बीज निकाल दें।

2 इसके बाद बलेंडर में आलू बुखारे का गूदा,) गिलास पानी, चीनी, काला नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से ब्लेंड करें।

3 ब्लेंड करने के बाद मोटी छलनी से छान लें।

4 छाने हुए जूस में पानी और बरफ के टुकड़े डाल कर मिक्स करें।

5 अब ठंडा आलूबुखारा जूस सर्व करें।

पाचन रहता है ठीक

आलूबुखारा का जूस पाचन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें डायट्री फाइबर होते हैं जिसमें सार्बिटॉल और आईसेटिन प्रमुख है जो पाचन क्रिया को बेहतर करने में मदद कर सकते हैं।

दिल रखे स्वस्थ

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी आदि गुण होते हैं। अगर आप रोज एक गिलास जूस पीते है तो आपको हार्ट की कोई बिमारी नहीं होगी और आपका दिल बेहतर तरीके से काम करेगा। बता दें कि यह एंटी–ऑक्सीडेंट्स गुण मुक्त कणों से लड़ने में मदद करता हैं।

हड्डियां होगी मजबूत

इसमें बोरॉन जैसा एक रासायनिक तत्व होता है। जो हड्डियों को मजबूती दिलाने में मदद करता है। इसमें फ्लेवोनोइड्स और फेनोलिक यौगिक भी अधिक मात्रा में होते हैं। ये हड्डियों को किसी भी तरह के नुकसान से सुरक्षित रखते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए

इसका जूस पीने से इम्यूनिटी बढ़ने में मदद मिलती है। यह सर्दी –जुकाम, फ्लू जैसे संक्रमण से सुरक्षित रखता है। ऐसे करें शरीर का बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलती है।

जवानी में सफेद हो गए हैं बाल तो करें ये छोटा सा काम, जल्द मिलेगा लाभ

आंवला अविश्वसनीय रूप से लोकप्रिय है। आंवला ताजा और पाउडर दोनों रूपों में मिलता है और बड़ी और छोटी कई समस्याओं का इलाज करने का काम कर सकता है। वजन घटाने को बढ़ावा देने से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने और सफेद बालों को काला और घना करने में भी सहायक है। तो चलिए जानते है इसके हेयर मास्क के बारे में।

शिकाकाई और रीठा पाउडर भी है फायदेमंद

सबसे पहले शिकाकाई, रीठा और आंवाला पाउडर को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे रातभर ढक कर रखें। अगले दिन इसे अपने बालों पर लगाएं और पूरे 1 घंटे बाद इसे साफ पानी से साफ कर लें।

एलोवेरा के साथ बनाएं आंवला पाउडर

एलोवेरा के ताजे पत्तों को अच्छे से पीसकर आंवले के पाउडर में मिला दें। इसमें हलका गर्म पानी डालकर उसे ठंडा होने के लिए रख दें। इसके बाद बालों पर पेस्ट बनाकर लगाएं। 1 घंटे बाद बालों साफ पानी से धो लें। इसे सफेद बाल भी काले और घने हो जाएंगे।

नारियल तेल और आंवला पाउडर को करें मिक्स

वहीं दूसरी ओर सफेद और झड़ते बालों को रोकने के लिए एक कटोरी में नारियल तेल लें। इसमें आंवला पाउडर मिक्स कर दें। इसके बाद दोनों को गर्म करें। दोनों को काला होने तक आंच लगाए। इसके बाद ठंडा होने के लिए रख दें। फिर इसे अपने बालों पर लगाएं और 1 घंटे बाद साफ पानी से धो लें। यकीनन महीने में 3 – 4 बार प्रयोग करने से लाभ मिलेगा।

आलू का हेयर मास्क

सबसे पहले एक बर्तन में पानी डालकर आलू उबालें। अब आलू को छानकर पानी अलग कर लें. इस पानी में 2 चम्मच दही मिलाकर स्कैल्प और बालों पर अप्लाई करें। सूखने के बाद बालों को साफ पानी से धो लें।

संक्षिप्त

पेट्रोलियम मंत्री ने पीएम की अपील को गंभीरता से लेने की दी सलाह, पेट्रोल–डीजल की कीमतों पर कही ये बात

नई दिल्ली,एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देश में ईंधन और एलपीजी सप्लाई को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत में फिलहाल किसी तरह का फ्यूल संकट नहीं है और सरकार ने एहतियात के तौर पर एलपीजी उत्पादन में भारी बढ़ोतरी की है। दिल्ली में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में बोलते हुए पुरी ने कहा कि देश के पास इस समय 69 दिनों का कच्चे तेल और एलएनजी का भंडार मौजूद है, जबकि 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए एलपीजी उत्पादन को 35–36 हजार टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 54 हजार टन प्रतिदिन कर दिया गया है। पुरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को भी गंभीरता से लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक अपील नहीं बल्कि देश के लिए वेक–अप कॉल है, ताकि भारत पश्चिम एशिया संकट से पैदा होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने के उपायों पर काम कर सके। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने की अपील की थी। उन्होंने पेट्रोल–डीजल की खपत घटाने, मेट्रो रेल का अधिक उपयोग करने, कारपूलिंग अपनाने, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और रेलवे के जरिए पार्सल भेजने जैसे सुझाव दिए थे। साथ ही उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक साल तक सोने की खरीदारी और विदेश यात्राएं टालने की भी सलाह दी थी। इसी बीच, पेट्रोलियम मंत्री ने सरकारी तेल कंपनियों की आर्थिक स्थिति को लेकर भी गंभीर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहीं, तो सरकारी तेल विपणन कंपनियों का पूरा वित्त वर्ष 2025–26 का मुनाफा खत्म हो सकता है। पुरी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण भारतीय तेल कंपनियों पर भारी दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकारी तेल कंपनियां हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान झेल रही हैं। अगर यही स्थिति जारी रही तो एक तिमाही में इनका कुल नुकसान लगभग एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी हैं। इसकी बड़ी वजह अमेरिका–ईरान तनाव और सप्लाई बाधित होने की आशंका है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा कीमतों पर सिर्फ एक तिमाही का नुकसान ही सरकारी तेल कंपनियों के पूरे वित्त वर्ष 2025–26 के टैक्स के बाद के मुनाफे को खत्म कर सकता है। उद्योग जगत के अनुमानों के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र की तीन बड़ी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में संयुक्त रूप से करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये के नुकसान में जा सकती हैं। पहले बाजार विशेषज्ञों का अनुमान था कि अगर कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहीं तो कंपनियों को हर महीने लगभग 27 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होगा। लेकिन वास्तविक नुकसान का आंकड़ा इन अनुमानों से भी ज्यादा तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है, जबकि अब तक कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल से नीचे ही रही हैं।

शेयर बाजार में कमजोरी का सिलसिला बरकरार, सेंसेक्स 500 अंक गिरा, निफ्टी 23700 से फिसला

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी है। सोमवार की गिरावट के बाद मंगलवार को भी प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 525.44 अंक गिरकर 75,489.84 पर आ गया, वहीं निफ्टी 164.5 अंक गिरकर 23,651.35 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में इंफोसिस और एशियन पेंट्स में 3: तक की गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में गहराते भू–राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में भारी गिरावट दर्ज की गई। विदेशी फंड्स की लगातार हो रही निकासी और अमेरिका–ईरान के बीच शांति वार्ता पर छाए संकट ने निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर दिया है। मंगलवार के शुरुआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 525.44 अंक गोता लगाकर 75,489.84 के स्तर पर आ गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 164.5 अंक फिसलकर 23,651.35 पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को भी बाजार में भारी कोहराम देखा गया था, जब सेंसेक्स 1,312.91 अंक और निफ्टी 360.30 अंक का भारी नुकसान उठाकर बंद हुए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के साथ युद्धविराम के संकट में होने और समझौते की उम्मीदें धूमिल होने के बाद मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 95.63 पर पहुंच गया, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया। कच्चे तेल में उबालरू अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) 0.93 प्रतिशत की उछाल के साथ 105.2 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, अमेरिका–ईरान के मौजूदा संघर्ष से वैश्विक धारणा प्रभावित हो रही है।

भारतीय खिलाड़ियों की कमी जरूर महसूस होगी, बोले ईटीपीएल टी20 लीग के को–फाउंडर अभिषेक बच्चन

डबलिन,एजेंसी। क्रिकेट और ओलंपिक को लेकर अपनी राय रखते हुए अभिषेक ने कहा, यह खेल के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। अगर क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा बनता है तो यह पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाएगा। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का क्रिकेट के प्रति लगाव हमेशा से चर्चा में रहा है और इसी जुनून के चलते वे यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से भी जुड़े हुए हैं। वह को–फाउंडर के तौर पर इस लीग में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस बीच आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने इसे क्रिकेट के लिए बेहद रोमांचक पल बताया। अभिषेक बच्चन ने कहा, ईटीपीएल को लेकर रेस्पॉन्स काफी अच्छा मिल रहा है। हमने छठी टीम के तौर पर डबलिन गार्डियंस का ऐलान किया है। इस लीग में अब कुल छह टीमें हो चुकी हैं, जिनमें डबलिन, बेलफास्ट, एडिनबर्ग, ग्लासगो, रॉटरडैम और एम्स्टर्डम शामिल हैं। यहां सभी शहरों में क्रिकेट को लेकर काफी उत्साह है। अभिषेक बच्चन ने कहा, डबलिन फ्रेंचाइजी के मालिक भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ हैं। उनको टीम से जोड़ना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। जिस दिन उनसे बातचीत शुरू हुई, उन्होंने बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। सभी चर्चाएं और मीटिंग्स बेहद सहज रही। अभिषेक ने आगे कहा, मुझे राहुल द्रविड़ की यह बात काफी पसंद आई कि वह सिर्फ बिजनेस पहलू पर नहीं, बल्कि क्रिकेट की गुणवत्ता पर भी पूरा ध्यान दे रहे हैं। उनके लिए खिलाड़ियों की क्वालिटी और खेल का स्तर सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम जानते थे कि उनका फोकस क्रिकेट पर होगा। मैं उन्हें ईटीपीएल में मालिक के रूप में पाकर बहुत खुश हूं। ईटीपीएल के खिलाड़ियों को लेकर भी अभिषेक बच्चन ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ी आईपीएल के बाहर नहीं खेल सकते, इसलिए ईटीपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की कमी महसूस होगी लेकिन दुनियाभर के कई बेहतरीन इंटरनेशनल खिलाड़ी इस लीग से जुड़े हैं, जो इसे एक मजबूत टूर्नामेंट बनाते हैं। यह समय बेहद रोमांचक होगा। क्रिकेट और ओलंपिक को लेकर अपनी राय रखते हुए अभिषेक ने कहा, यह खेल के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। अगर क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा बनता है तो यह पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाएगा। खासकर भारतीय उपमहाद्वीप में क्रिकेट को लेकर जो दीवानगी है, वह ओलंपिक जैसे मंच पर और भी बड़े स्तर पर देखने को मिलेगी।

टीम के मालिक बनने के बाद राहुल द्रविड़ का पहला बयान, टी20 में गेंदबाजों की सोच को लेकर उठाए सवाल

ढाका,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अब एक नई भूमिका में नजर आएंगे। यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में डबलिन गार्डियंस के मालिक बनने के बाद द्रविड़ ने कहा कि यह उनके लिए नया अनुभव है और वह इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। द्रविड़ ने कहा, यह रोमांचक है। जाहिर तौर पर यह एक नई दिशा है, कुछ नया है। मैं इसे लेकर उत्साहित हूं, लेकिन मैं यह भी समझता हूं कि मुझे बहुत कुछ सीखना है। मुझे बहुत आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट ने उन्हें जीवन में बहुत कुछ दिया है और अब यह खेल उन्हें फिर कुछ नया सीखने का अवसर दे रहा है। द्रविड़ बोले, मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे यह मौका मिला है। मैं किसी नए क्षेत्र में सीख सकता हूं, आगे बढ़ सकता हूं। इस खेल ने मुझे बहुत कुछ दिया है, जिसके लिए मैं आभारी हूं। राहुल द्रविड़ ने कहा कि भारत के लिए खेलने से लेकर कोचिंग तक, क्रिकेट ने उन्हें दुनिया देखने और अलग–अलग लोगों से मिलने का मौका दिया। उन्होंने कहा, शजब से मैंने भारत के लिए खेलना शुरू किया, तब से 30 साल से ज्यादा का सफर रहा है। इस खेल ने मुझे अविश्वसनीय अनुभव दिए हैं। दुनिया घूमने का मौका दिया, बहुत कुछ देखने और अलग–अलग लोगों से मिलने का अवसर दिया। मैं खुश हूं कि यह खेल मुझे फिर एक नया मौका दे रहा है, ताकि मैं व्यक्तिगत स्तर पर भी आगे बढ़ सकूं और कुछ अलग कर सकूं। द्रविड़ ने मौजूदा टी20 क्रिकेट पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि पिछले दो–तीन वर्षों में बल्लेबाजी का स्तर अद्भुत रहा है। उनके मुताबिक बल्लेबाज अब मैदान के हर हिस्से में शॉट खेलने लगे हैं और छक्के लगाने की कला तेजी से बढ़ी है। उन्होंने कहा, पिछले दो–तीन साल में बल्लेबाजी की गुणवत्ता शानदार रही है। बल्लेबाजी कौशल, छक्के मारने की क्षमता और मैदान के अलग–अलग हिस्सों में शॉट खेलने का स्तर बहुत तेजी से बढ़ा है। द्रविड़ ने माना कि इस फॉर्मेट में गेंदबाजों को अब अपनी कला और रणनीति पर ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, टी20 में गेंदबाजों को अब थोड़ा पीछे से वापसी करनी होगी। उन्हें अपने कौशल पर लगातार काम करना होगा। कुछ गेंदबाज जरूर अलग नजर आएंगे, लेकिन कुल मिलाकर इस समय बल्लेबाज आधुनिक टी20 की मांगों से ज्यादा बेहतर तरीके से तालमेल बिठा पा रहे हैं। राहुल द्रविड़ ने टेस्ट क्रिकेट और टी20 क्रिकेट के मौजूदा संतुलन की तुलना भी की। उन्होंने कहा, अगर आप टेस्ट क्रिकेट देखें तो लगभग हर मैच का नतीजा निकल रहा है। गेंदबाज वहां दबदबा बनाए हुए हैं। दो दिन और तीन दिन में मैच खत्म होते देख रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में गेंदबाज थोड़ा आगे हैं, जबकि टी20 में बल्लेबाज आगे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में देखना दिलचस्प होगा कि क्या गेंदबाज टी20 में फिर से संतुलन बना पाएंगे। द्रविड़ ने साफ कहा कि क्रिकेट किसी एक पक्ष के पक्ष में ज्यादा झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, शदिन के आखिर में आप नहीं चाहेंगे कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। न बल्लेबाजों के पक्ष में और न गेंदबाजों के पक्ष में।

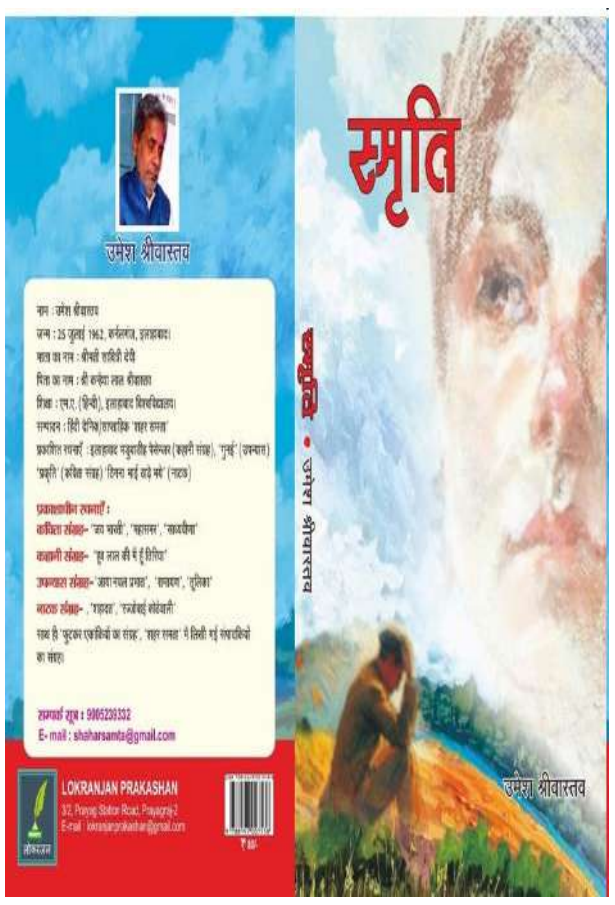

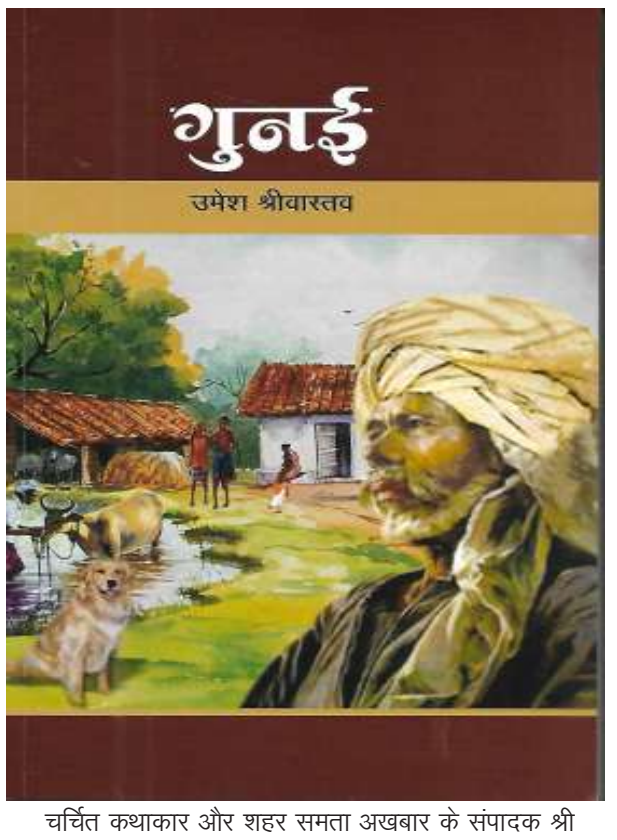

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

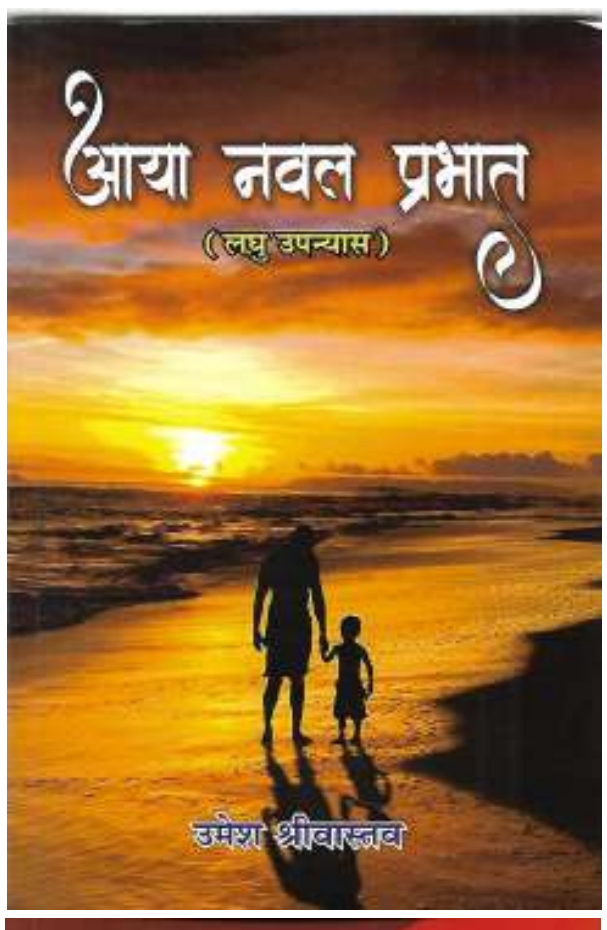

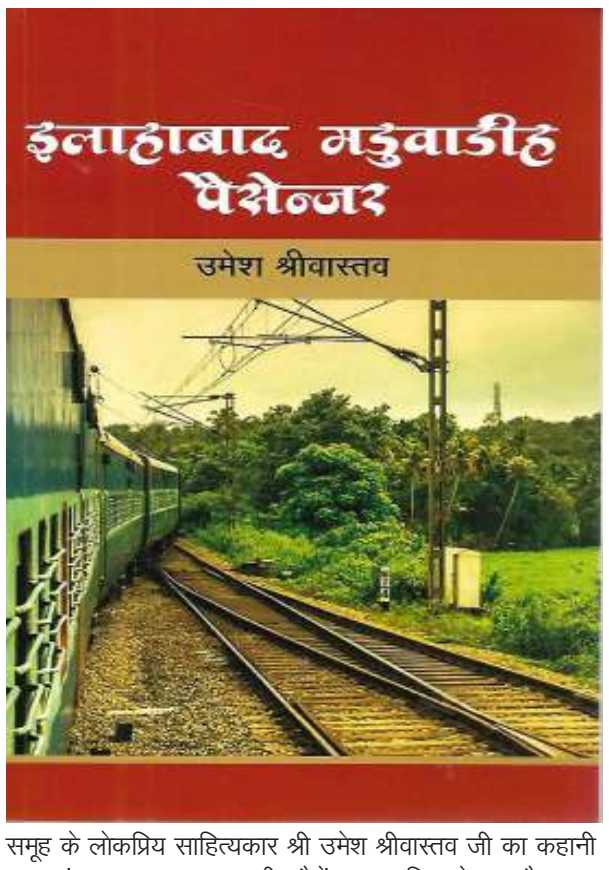

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

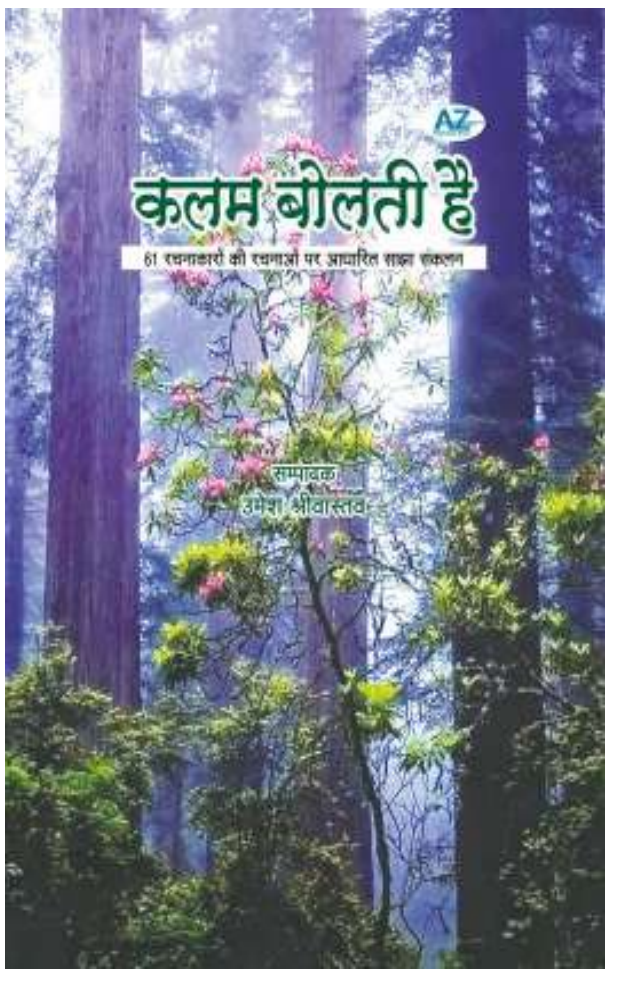

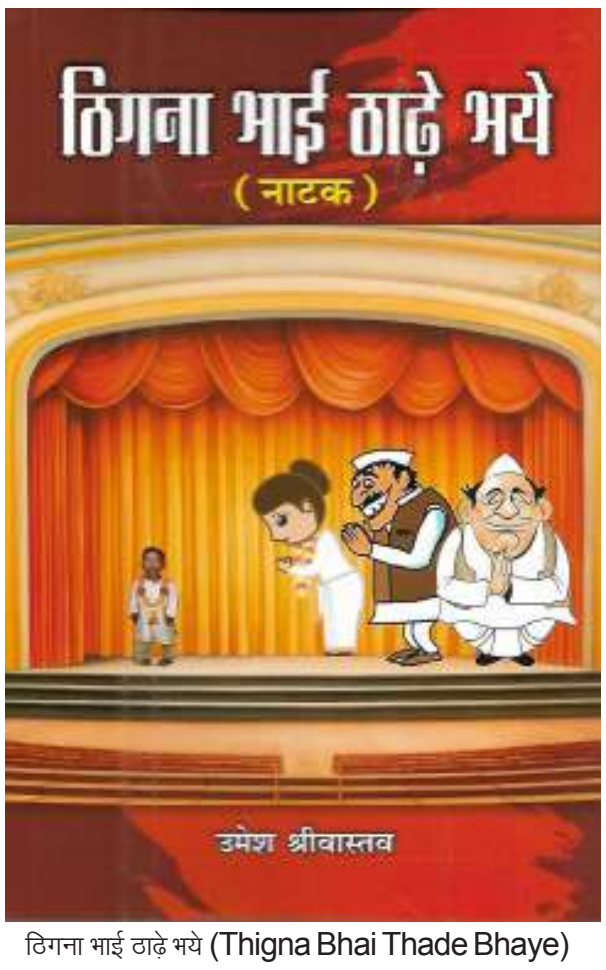

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान को कौन दहला रहा?: 48 घंटे में दूसरी बार आत्मघाती हमला, विस्फोटक से भरी ऑटों में धमाका, 8 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिम हिस्से में मंगलवार को एक बार फिर भीषण आत्मघाती हमला हुआ। मामले में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में एक

हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी में धमाका कर दिया। इस घटना में दो सुरक्षा अधिकारियों सहित कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य लोग घायल हुए हैं। पिछले 48 घंटे में यह पाकिस्तान में दूसरा बड़ा आत्मघाती हमला है। क्या बोली पुलिस? जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह धमाका नौरंग बाजार के फाटक चौक पर हुआ। यहां आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे अपने तीन पहिया ऑटो रिक्शा को उड़ा दिया। अधिकारियों के मुताबिक, जान गंवाने वालों में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक महिला भी शामिल है। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शादाब खान ने जानकारी दी कि एम्बुलेंस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए सराय नौरंग के तहसील मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पतालों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है और सभी मेडिकल स्टाफ को काम पर वापस बुला लिया गया है। कई घायलों की स्थिति बहुत नाजुक बनी हुई है। कुछ को बेहतर इलाज के लिए बन्नू और पेशावर के बड़े अस्पतालों में भेजा गया है। सीएम ने मांगा जवाब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सुहैल अफरीदी ने इस हमले का संज्ञान लिया है। उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक को निर्देश दिया है कि वे इस घटना की पूरी रिपोर्ट तैयार कर पेश करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रांतीय सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ है और उन्हें हर तरह की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। 48 घंटे पहले भी हुई थी घटना इस घटना के ठीक 48 घंटे पहले पाकिस्तान के बन्नू जिले में भी एक भीषण आत्मघाती हमला हुआ था। यहां एक आत्मघाती हमलावर ने बारूद से भरी अपनी गाड़ी को पुलिस चेकपोस्ट में दे मारी थी। इस धमाके में 15 पुलिसकर्मियों की जान चली गई और तीन अन्य जवान घायल हो गए थे।

अमेरिका: 2028 में कौन होगा राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार? जेडी वेंस और मार्को रुबियो पर ट्रंप ने क्या कहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपने दो सहयोगियों उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को एक संभावित जोड़ी के रूप में पेश करने की कोशिश की। रोज गार्डन में कानून प्रवर्तन अधिकारियों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान ट्रंप ने कहा, क्या यह जेडी होंगे? क्या कोई और होगा? मुझे नहीं पता। रिपब्लिकन नेताओं से ली प्रतिक्रिया

इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद लोगों से सवाल पूछा और उनकी प्रतिक्रिया ली। उन्होंने पूछा, कौन जेडी वेंस को पसंद करता है? और कौन मार्को रुबियो को पसंद करता है?, जिस पर लोगों ने तालियों के साथ अपनी पसंद जताई। सपने जैसी है वेंस और रूबियो की जोड़ी ट्रंप ने कहा कि यह एक अच्छी जोड़ी लगती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसका मतलब किसी को उनका आधिकारिक समर्थन नहीं है। उन्होंने कहा, यह एक सपने जैसी जोड़ी (ड्रीम टीम) लगती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं किसी को समर्थन दे रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि यह राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए एक संभावित जोड़ी हो सकती है। जेडी वेंस ओहायो से पहले कार्यकाल के सीनेटर रहे हैं और 2024 चुनाव में ट्रंप के साथ उप राष्ट्रपति उम्मीदवार बने थे। वहीं, मार्को रुबियो 2016 में राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हुए थे। लेकिन रिपब्लिकन पार्टी के प्राथमिक चुनाव में ट्रंप से हारने के बाद वह दौड़ से बाहर हो गए थे। बाद में 2025 में वह विदेश मंत्री बने।

जरूरी सामानों की आपूर्ति ठप: ईरान ने पल्ला झाड़ा, कहा- US और इस्राइल जिम्मेदार, ट्रंप ने रचा आर्थिक चक्रव्यूह

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष ने पूरी दुनिया की कमर तोड़ दी है। आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह चरमरा गई है। इस बीच ईरान ने कहा है कि भारत समेत अन्य देशों की दुर्दशा के लिए वह जिम्मेदार नहीं है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सारा ठीकरा अमेरिका और इस्राइल पर फोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान इस स्थिति से खुश नहीं है, लेकिन यह जंग उन पर थोपी गई है। एक विशेष साक्षात्कार में इस्माइल बघाई ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अमेरिका और इस्राइल की जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों देशों ने जो शुरू किया, वह आज भी जारी है। जब उनसे पूछा गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत जैसे देश परेशान हैं, तो उन्होंने 28 फरवरी की तारीख याद दिलाई। बघाई के अनुसार, उस दिन से पहले होर्मुज का रास्ता हर देश के लिए खुला और सुरक्षित था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

पाकिस्तान का बड़ा कबूलनामा!: ईरानी विमान उसके एयरबेस पर मौजूद, अमेरिका ने मध्यस्थ की भूमिका पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में हालिया तनाव के दौरान पाकिस्तान की भूमिका अब खुद उसके लिए बड़ी कूटनीतिक मुश्किल बनती दिख रही है। पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि ईरानी विमान उसकी जमीन पर मौजूद हैं। हालांकि इस्लामाबाद ने इसे सीजफायर के दौरान आया सामान्य प्रशासनिक और लॉजिस्टिक सहयोग बताया, लेकिन इसी बयान ने उन आरोपों को और मजबूत कर दिया है कि पाकिस्तान ने ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा? पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय (MoFA) ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि पाकिस्तान में मौजूद ईरानी विमान युद्ध या किसी सैन्य कार्रवाई से जुड़े नहीं हैं। मंत्रालय ने दावा किया कि ये विमान युद्धविराम के दौरान आए थे और बातचीत प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों, सुरक्षा टीमों और प्रशासनिक कर्मचारियों की आवाजाही के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। बयान से खड़े हुए कई सवाल लेकिन इसी बयान ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर ईरान के सैन्य विमान मौजूद हैं। इनमें ईरानी वायुसेना का RC–130 विमान भी शामिल बताया गया है, जो खुफिया जानकारी जुटाने और निगरानी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह लॉकहीड C–130 हरक्यूलिस विमान का विशेष सैन्य संस्करण माना जाता है। अमेरिकी अधिकारियों ने क्या दावा किया? अमेरिकी मीडिया नेटवर्क सीबीएस न्यूज ने दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया कि अमेरिका–ईरान संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने चुपचाप ईरानी विमानों को अपने एयरफील्ड इस्तेमाल करने दिए। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान एक तरफ अमेरिका से अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता था, वहीं दूसरी ओर उसने ईरान को भी समर्थन दिया। आलोचकों ने क्या लगाए आरोप? रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल की शुरुआत में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ सीजफायर की घोषणा की थी, उसके कुछ दिनों बाद तेहरान ने कई विमान पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस भेजे थे। पाकिस्तान ने इन्हें अस्थायी रूप से ठहराने की बात कही, लेकिन आलोचकों का कहना है कि सैन्य टोही विमानों की लंबी पार्किंग सामान्य कूटनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हो सकती। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पाकिस्तान वास्तव में ईरानी सैन्य संसाधनों को सुरक्षित ठिकाना दे रहा है, तो इससे उसकी तटस्थ मध्यस्थ वाली छवि कमजोर हुई है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि इस्लामाबाद पश्चिम एशिया के संघर्ष में अप्रत्यक्ष रूप से तेहरान के पक्ष में खड़ा नजर आ सकता है। पाकिस्तान की भूमिका पर उठे सवाल? इस पूरे मामले के बाद अमेरिका में भी पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जिन्हें ट्रंप का करीबी सहयोगी माना जाता है, ने पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका की "पूरी समीक्षा" करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि उन्हें पाकिस्तान के ऐसे कदम पर हैरानी नहीं होगी, क्योंकि इस्लामाबाद पहले भी इजराइल को लेकर विवादित बयान दे चुका है। पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर चिंता बढ़ी वहीं CNN की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन के भीतर भी पाकिस्तान की विश्वसनीयता को लेकर चिंता बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप प्रशासन के कुछ अधिकारियों को शक है कि पाकिस्तान अमेरिका तक ईरान का पक्ष वास्तविकता से ज्यादा सकारात्मक तरीके से पहुंचा रहा था। कुछ अधिकारियों का यह भी मानना है कि पाकिस्तान ने तेहरान के साथ बातचीत में अमेरिकी नाराजगी को सही तरीके से पेश नहीं किया। बताया जा रहा है कि ईरान की ओर से अमेरिका को भेजा गया जवाब भी पाकिस्तान के माध्यम से वॉशिंगटन पहुंचाया गया था। इसी वजह से अब अमेरिकी प्रशासन के भीतर पाकिस्तान की दोहरी रणनीति को लेकर अविश्वास बढ़ गया है। पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संबंध संतुलित रखने की कोशिश करता रहा है। लेकिन अब ईरानी सैन्य विमानों की मौजूदगी को लेकर सामने आई जानकारी ने उसकी कूटनीतिक संतुलन नीति को कठघरे में खड़ा कर दिया है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर यह विवाद और बढ़ता है, तो पाकिस्तान को अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

क्या ट्रंप के दबाव का पड़ा असर?: ब्रिटेन ने ईरान के प्रॉक्सी नेटवर्क पर लगाया प्रतिबंध

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन ने अपनी धरती पर शत्रुतापूर्ण गतिविधियों और आपराधिक गिरोहों (प्रॉक्सी) के इस्तेमाल के खिलाफ ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। सोमवार को विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (FCDO) ने कई ईरानी संस्थाओं और व्यक्तियों के खिलाफ इन उपायों की घोषणा की। यह कार्रवाई वैश्विक सुरक्षा को खतरे में डालने और विदेशों में धमकियां देने के लिए आपराधिक गिरोहों का उपयोग करने के जवाब में की गई है। प्रतिबंधों का क्या है उद्देश्य? इन प्रतिबंधों का मुख्य उद्देश्य उस अवैध धन के प्रवाह को रोकना है, जिसकी मदद से ईरानी शासन पश्चिम एशिया में अस्थिरता फैला रहा है। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी भी शामिल है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, खाड़ी देशों में ब्रिटेन के सहयोगियों पर होने वाले सैन्य हमलों को रोकने के लिए भी यह कदम उठाया गया है। क्या यह कार्रवाई किंग चार्ल्स की अमेरिका यात्रा का असर? माना जा रहा है कि ब्रिटेन की यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव का नतीजा है। हाल ही में किंग चार्ल्स की अमेरिका यात्रा खत्म हुई है। जानकारों का मानना है कि इस यात्रा के दौरान ट्रंप और किंग चार्ल्स के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इसी बातचीत के बाद ब्रिटेन ने ईरान के खिलाफ यह सख्त रुख अपनाया है। क्या बोले ब्रिटिश विदेश सचिव? ब्रिटिश विदेश सचिव यवेट कूपर ने कहा कि यह कार्रवाई उन संगठनों और लोगों को निशाना बनाती है जो ब्रिटेन की सड़कों पर सुरक्षा और मध्य पूर्व की स्थिरता के लिए खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरानी शासन के समर्थन वाले आपराधिक गिरोहों और अवैध वित्तीय नेटवर्क को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन इनके लिए पूरे यूरोप के साथ तालमेल बिठा रहा है। उन्होंने मध्य पूर्व में कूटनीतिक समाधान और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही की स्वतंत्रता बहाल करने पर भी जोर दिया। किन पर लगा प्रतिबंध? नए प्रतिबंधों के तहत संदिग्ध आपराधिक गिरोहों को ब्रिटेन आने से रोका जाएगा और उनकी अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाली संपत्ति को जब्त किया जाएगा। जिन संस्थाओं पर संपत्ति फ्रीज करने और निदेशक के रूप में काम करने पर रोक लगाई गई है, उनमें शबेरेलियन एक्सचेंजश, शजीसीएम एक्सचेंजश और शजिंदाश्ती नेटवर्कश शामिल हैं। प्रतिबंधित व्यक्तियों की सूची में मंसूर जरिनघलम, नासिर जरिनघलम, एकरेम अब्दुलकरीम ओजटुनक, निहात अब्दुल कादिर असन, रजा हमीदीरावरी और नामिक सालिफोव के नाम हैं। इन लोगों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने के साथ–साथ उनकी संपत्ति भी फ्रीज कर दी गई है। FCDO के अनुसार, यह कदम यूरोपीय संघ (EU) की कार्रवाई के साथ मेल खाता है। ब्रिटेन इससे पहले भी ईरानी शासन पर 550 से अधिक प्रतिबंध लगा चुका है। इनमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (IRGC) और मानवाधिकारों के उल्लंघन से जुड़े 90 से अधिक प्रतिबंध शामिल हैं।

पश्चिम एशिया संकट: क्या दोहरा गेम खेल रहा पाकिस्तान? ईरान युद्ध में PAK की मध्यस्थता पर अमेरिका को भी शक

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया के संघर्ष में पाकिस्तान खुद को एक मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है, लेकिन उसकी इस भूमिका पर अब अमेरिकी प्रशासन को गहरा शक होने लगा है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान दोहरी चाल चल रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के उस शांति प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसे पाकिस्तान ने उन तक पहुंचाया था। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के दौर की मेजबानी भी पाकिस्तान ने ही की थी। अमेरिका को पाक की मध्यस्थता पर शक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के करीबी लोग ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर चिंतित हैं। अमेरिकी प्रशासन को लगता है कि पाकिस्तान शांति प्रक्रिया को लेकर ट्रंप की नाराजगी को ईरान तक सही ढंग से नहीं पहुंचा रहा है। अधिकारियों का यह भी मानना है कि पाकिस्तान ईरान के पक्ष को हकीकत से ज्यादा सकारात्मक बनाकर अमेरिका के सामने पेश कर रहा है। पाकिस्तान का डबल गेम इस बीच, अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट ने पाकिस्तान के इस डबल गेम का एक और सबूत दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने चुपके से ईरानी सैन्य विमानों को अपने हवाई अड्डों पर रुकने की इजाजत दी। ऐसा शायद इन विमानों को अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए किया गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल की शुरुआत में जब ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम की घोषणा की थी, उसके कुछ ही दिनों बाद ईरान ने पाकिस्तान के श्नूर खान एयर बेसश पर कई विमान भेजे थे। इनमें ईरानी वायुसेना का एक खुफिया विमान श्आरसी–130श भी शामिल था। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के हालिया बयानों ने भी इस अविश्वास को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास कई विकल्प हैं। वे सम्मान के साथ बातचीत कर सकते हैं या फिर युद्ध का रास्ता चुन सकते हैं। पेजेश्कियान ने सैन्य शक्ति के दम पर कूटनीति करने की बात कही है। क्या है ट्रंप की प्रतिक्रिया? वहीं, ट्रंप ने ईरान के रुख पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ईरान के प्रस्ताव को कचरा बताया और कहा कि उन्होंने इसे पूरा पढ़ा तक नहीं। ट्रंप के अनुसार, ईरान इस समय सबसे कमजोर स्थिति में है और मौजूदा युद्धविराम अब खत्म होने की कगार पर है। ईरान को मिलिट्री तौर पर हराए जाने के अपने दावों को दोहराते हुए, ट्रंप ने कहा कि सीजफायर के समय में ईरान ने जो भी थोड़ा बहुत बनाया था, अमेरिका उसे एक दिन में ही तबाह कर देगा। इस सबके बीच, अब ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने बीजिंग जा रहे हैं। माना जा रहा है कि अब पश्चिम एशिया में शांति के लिए चीन एक मुख्य भूमिका निभा सकता है।

जनता को महंगाई से राहत देने की तैयारी: अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा फैसला, पेट्रोल डीजल पर टैक्स होगा खत्म

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच आसमान छूती ईंधन की कीमतों ने अमेरिकी जनता की कमर तोड़ दी है। इस संकट से निपटने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि वे अमेरिकी नागरिकों को राहत देने के लिए संघीय गैस टैक्स को निलंबित करने की दिशा में कदम उठाने जा रहे हैं। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने से पहले गैस की औसत कीमत लगभग तीन डॉलर यानी 283.71 रुपये प्रति गैलन थी, जो अब 50 फीसदी बढ़कर 4.52 डॉलर यानी 427.46 रुपये प्रति गैलन तक पहुंच चुकी है। संसद की मंजूरी होगी अनिवार्य राष्ट्रपति ट्रंप इस टैक्स को हटाना चाहते हैं, लेकिन वे इसे अकेले लागू नहीं कर सकते। संघीय कानून के अनुसार, गैस टैक्स को निलंबित करने के लिए अमेरिकी कांग्रेस–संसद की मंजूरी अनिवार्य है। राहत की बात यह है कि दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद इस प्रस्ताव का समर्थन कर रहे हैं। उनका मानना है कि दैनिक कार्यों, स्कूल और दफ्तर के लिए निजी वाहनों पर निर्भर परिवारों और व्यवसायों को इससे तत्काल वित्तीय राहत मिलेगी। राजस्व और वर्तमान टैक्स का गणित

वर्तमान में संघीय सरकार पेट्रोल पर 18.4 सेंट और डीजल पर 24.4 सेंट प्रति गैलन टैक्स वसूलती है। राज्य सरकारों के टैक्स इससे अलग होते हैं। जब ट्रंप से पूछा गया कि यह राहत कब तक जारी रहेगी, तो उन्होंने कहा, श्जब तक उचित लगेगा।श राष्ट्रपति ने माना कि हालांकि यह कटौती सिर्फ 18 सेंट के आसपास है, लेकिन आम आदमी के लिए पैसा तो पैसा ही होता है। आंकड़ों के अनुसार, इस टैक्स से सड़क और सार्वजनिक परिवहन कार्यक्रमों के लिए सालाना 23 बिलियन डॉलर यानी 2,175.11 अरब रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होता है।

ईरान युद्ध से पस्त पाकिस्तान: पेट्रोल–डीजल बचाने के लिए बढ़ाई सख्ती, जनता के सामने गिड़गिड़ाई शहबाज सरकार

इस्लामाबाद,,एजेंसी। अमेरिका–ईरान के बीच समझौता न हो पाने के कारण पैदा हुई अनिश्चितता के बीच शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान में लागू देशव्यापी मितव्ययिता अभियान को 13 जून 2026 तक बढ़ा दिया है। नाजुक युद्धविराम की स्थिति और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़े असर को देखते हुए पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला लिया है। क्या है मितव्ययिता अभियान? मितव्ययिता अभियान का मतलब होता है खर्चों में कटौती करके संसाधनों को बचाने की कोशिश करना। जब किसी देश की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ता है, ईंधन या जरूरी चीजों की कमी होती है, या सरकार वित्तीय संकट से जूझ रही होती है, तब सरकार ऐसे कदम उठाती है। शहबाज सरकार ने कैसे बढ़ाई समयसीमा? पाकिस्तान सरकार ने पहली बार 9 मार्च को कई सख्त आर्थिक और ईंधन बचत उपायों की घोषणा की थी। यह कदम अमेरिका और इस्राइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण उठाया गया था। शुरुआती तौर पर ये मितव्ययिता उपाय दो महीनों के लिए लागू किए गए थे। सोमवार को पाकिस्तान सरकार के कैबिनेट डिवीजन की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि ईंधन संरक्षण और अतिरिक्त मितव्ययिता उपायों की निगरानी करने वाली समिति की सिफारिशों पर विचार करने के बाद प्रधानमंत्री ने इन उपायों की अवधि 13 जून 2026 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। प्रमुख उपायों में क्या–क्या शामिल? सरकार द्वारा लागू प्रमुख उपायों में सरकारी वाहनों के लिए ईंधन भत्ते में 50 प्रतिशत की कटौती शामिल है। हालांकि एंबुलेंस और सार्वजनिक बसों जैसे परिचालन वाहनों को इससे छूट दी गई है।

इसके अलावा 60 प्रतिशत सरकारी वाहनों को बंद रखने और जरूरी राष्ट्रीय हितों से जुड़े मामलों को छोड़कर विदेशी दौरों पर पूरी तरह रोक लगाने का फैसला भी जारी रहेगा।

पाकिस्तान पश्चिम एशिया से आने वाली तेल आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है। ईरान युद्ध के चलते देश की प्रमुख सप्लाई लाइन प्रभावित हुई, जिससे सामान्य प्रशासनिक और आर्थिक गतिविधियां चलाना मुश्किल हो गया।

ट्रंप का सब्र टूट रहा?: ईरान के प्रस्ताव न मानने से अमेरिका नाराज, फिर हमले का आदेश दे सकते हैं राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर डोनाल्ड ट्रंप अब ईरान के रवैये से खुलकर नाराज नजर आ रहे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान की ओर से आए प्रस्ताव और लगातार ठप पड़ी बातचीत से ट्रंप प्रशासन में भारी निराशा है।

यही वजह है कि अब वॉशिंगटन एक बार फिर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है। कहां अटक रही है बातचीत?

सीएनएन ने मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि परमाणु मुद्दे पर बातचीत में लगातार गतिरोध और तेहरान का रवैया ट्रंप प्रशासन की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह बन गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।